

रीवा

28 फरवरी 2026
शनिवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित



मथुरा, एजेंसी। मथुरा के वृंदावन में रंगभरी एकादशी पर शुक्रवार को अनोखा नजारा दिखा। बांके बिहारी जी को रंग और अबीर लगाने के साथ ही ब्रज की होली की शुरुआत हुई। मंदिर रंग-बिरंगे गुलाल में डूबा

नजर आया। पुजारियों ने प्रसादी गुलाल भक्तों पर बरसाया। फूल, जलेबी और लड्डू लुटाए। प्रसाद पाने के लिए भक्तों में होड़ मच गई। शरीर पर अबीर पड़ते ही भक्त खुशी से झूम उठे। बांके बिहारी जी के जयकारों से

बांके बिहारी को लगा रंग, नाचते हुए पहुंचे भक्त

वृंदावन में विदेशियों ने भी खेली होली, कहा- मजा आ गया

माहौल भक्तिमय हो उठा। अबीर से सराबोर भक्तों ने बांके बिहारी के दर्शन किए। आशीर्वाद लिया। फिर बाहर आकर हवा में रंग और अबीर उड़या और एक-दूसरे को गुलाल लगाया।

इस दौरान वृंदावन की गलियां भक्तों से भरी रहीं। हर तरफ अबीर-गुलाल दिखाई दे रहा है। अबीर गुलाल से रंगे भक्त बोल-नागाड़ों पर झूम रहे हैं। 'आज ब्रज में होली रे रसिया' गाने पर नाच रहे हैं।

बड़ी संख्या में भक्त वृंदावन की पंचकोसीपरिक्रमा कर रहे हैं। कई भक्त अपने लड्डू गोपाल को गोद में लेकर आए हैं। महिलाएं भजन गा रही हैं। श्रद्धालु राधे-



राधे बोलते हुए गुलाल उड़कर चल रहे हैं। थोड़ी देर बाद राधा वल्लभ मंदिर से राधा

कृष्ण का डोला निकलेगा। बगी पर सवार होकर राधा कृष्ण के स्वरूप शहर में जगह-जगह होली खेलेंगे। माना जा रहा है कि करीब 10 लाख भक्त वृंदावन पहुंचे हैं। इससे पहले, गुरुवार को नंदगांव और बुधवार को बरसाना में लठमार होली खेली गई थी।

ब्रज में सवा महीने पहले शुरू होती है होली: बांकेबिहारी मंदिर के सेवायत श्रीनाथ गोस्वामी ने बताया कि पूरे संसार में होली मनाई जाती है, लेकिन ब्रजमंडल में होरा मनाया जाता है। सवा महीने पहले होली शुरू हो जाती है। टाकुरजी एक-एक गांव में होली खेलते हुए आते हैं। रंगभरती एकादशी से टाकुर जी बांकेबिहारी मंदिर में भक्तों के साथ होली खेलना शुरू कर देते हैं।

वृंदावन में 402 साल से निकल रहा होली का डोला: राधावल्लभ मंदिर से निकलने वाले होली के डोला की परंपरा 402 साल पुरानी है। यहां भगवान राधा कृष्ण रास मंडल से निकलकर होली खेलते हैं। पहले हाथी पर बैठकर भगवान शहर में होली खेलने निकलते थे। लेकिन अब बगी में बैठकर डोला निकाला जाता है।

अखिल भारतवर्षीय श्री राधावल्लभोय वैष्णव महासभा के अध्यक्ष श्री हित सम्यदाचार्य योगेंद्र वल्लभ गोस्वामी महाराज ने बताया- पिछले 402 साल से श्रीधाम वृंदावन में लगातार डोला की परंपरा निभाई जा रही है। इस दिन भगवान अपने साथियों संग नगर में होली खेलने निकलते हैं।

दिल्ली शराब नीति केस

केजरीवाल-सिसोदिया सीबीआई केस में बरी, कोर्ट बोला- चार्जशीट में खामियां

नई दिल्ली, एजेंसी। शराब घोटाला केस में दिल्ली कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को छद्म केस में बरी कर दिया है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को कहा- दोनों के खिलाफ बिना सबूत के आरोप साबित नहीं होता है। इस मामले में छद्म ने कुल 23 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट ने सभी के खिलाफ आरोप तय करने से इनकार करते हुए सभी को बरी कर दिया।

कोर्ट के बाहर केजरीवाल ने मीडिया से बात की, इस दौरान वे रोने लगे, उन्होंने कहा... पिछले कुछ सालों से जिस तरह से बीजेपी शराब घोटाला, शराब घोटाला कर रही थी। हमारे ऊपर आरोप लगा रही थी। आज कोर्ट ने सारे आरोप खारिज कर दिए और हम सबको इतिहास में भेजा है। सिटिंग चीफ जस्टिस को घर से घसीटकर जेल में डाला गया और छह महीने तक जेल में रखा गया। हमारे उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी को दो साल तक जेल में रखा गया।



अमित शाह जी ने मिलकर आजाद भारत का यह सबसे बड़ा राजनीतिक षड्यंत्र रचा। आम आदमी पार्टी को खत्म करने के लिए आम आदमी पार्टी के सबसे बड़े पांच नेताओं को जेल में डाल दिया। आज तक आजाद भारत के इतिहास में ऐसा नहीं हुआ। सिटिंग चीफ जस्टिस को घर से घसीटकर जेल में डाला गया और छह महीने तक जेल में रखा गया। हमारे उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी को दो साल तक जेल में रखा गया।



फैसले के बाद केजरीवाल रोते हुए बोले- जिंदगीभर ईमानदारी कमाई

सीबीआई ने कहा- फौरन दिल्ली हाईकोर्ट में अपील करेंगे

आबकारी नीति मामले में केजरीवाल समेत 23 आरोपियों को बरी किए जाने पर सीबीआई ने कहा- जांच के कई पहलुओं को या तो नजरअंदाज किया गया या पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया गया। ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ तुरंत दिल्ली हाईकोर्ट में अपील करेंगे।

स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने फैसला सुनाया

स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने इस केस का फैसला सुनाया। वे दिल्ली कोर्ट के एक अनुभवी जज हैं। वे दिल्ली ज्युडिशियल सर्विस के एक सीनियर न्यायिक अधिकारी हैं। अभी वे नई दिल्ली के राउज एवेन्यू डिस्ट्रिक्ट कोर्ट कोर्टमैजिस्ट्रेट में स्पेशल जज (पीसी एक्ट) सीबीआई-01 के पद पर तैनात हैं। यहां वे भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम से संबंधित मामलों, विशेष रूप से सीबीआई की जांच वाले केसों की सुनवाई करते हैं। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से लॉ की डिग्री हासिल की है। अक्टूबर 2024 में उन्हें एडिशनल सेशंस जज बनाया गया था।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में जंग के हालात

अफगानिस्तान का दावा हमने पाक के 55 सैनिक मारे

पाक की जवाबी एयरस्ट्राइक, कहा- 133 लड़ाके मारे; रक्षा मंत्री आसिफ बोले- खुला युद्ध छिड़ा



इस्लामाबाद, एजेंसी।

अफगानिस्तान ने गुरुवार देर रात पाकिस्तान पर हमला किया। टोलो न्यूज के मुताबिक तालिबान के प्रवक्ता जबाहुल्ला मुजाहिद ने इस हमले में 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने का दावा किया। यह हमला 22 फरवरी को अफगानिस्तान में पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक के जवाब में किया गया।

अफगान सरकार का दावा है कि 23 पाकिस्तानी सैनिकों के शव उसके पास हैं। पाकिस्तानी सेना के एक हेडक्वार्टर और 19 चौकियों पर भी कब्जा कर लिया गया है। वहीं, पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक जवाबी कार्रवाई करते हुए ब्रह्म सरकार ने ऑपरेशन 'गजब लिल हक' शुरू किया है। पाकिस्तान की वायुसेना ने काबुल, नंगरहार प्रांत समेत कई शहरों में एयरस्ट्राइक की।

पाकिस्तान का दावा है कि अब तक 133 अफगान तालिबान लड़ाके मारे गए और 200 से ज्यादा घायल हैं। 27 तालिबान



चौकियां तबाह कर दी गई हैं और 9 पर कब्जा कर लिया गया है। पाक रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि हमारे सब की सीमा पर हो चुकी है, अब हमारे और आपके बीच खुला युद्ध छिड़ गया है।

हमले में कितने लोग मरे, दोनों देशों के दावे अलग: पाकिस्तान और तालिबान सरकार दोनों पक्षों ने हमलों के बाद हुए नुकसान के अपने-अपने दावे किए हैं। अफगानिस्तान रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, जिनमें से कुछ शव

अफगानिस्तान ले जाए गए, जबकि कई अन्य को जिंदा पकड़ लिया गया। अफगान रक्षा मंत्रालय ने ये भी बताया कि पाकिस्तान के हमलों में हमारे 8 लोग मारे गए, जबकि 11 घायल हुए। हमने 19 पाकिस्तानी आर्मी पोस्ट और दो बेस तबाह किए। हमला शुरू होने के करीब चार घंटे बाद आधी रात को लड़ाई खत्म हो गई थी। वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मुशरफ अली जैदी ने 133 अफगान तालिबान लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है।

AIADMK से निष्कासित पूर्व सीएम पन्नीरसेल्वम DMK में शामिल

मुख्यमंत्री स्टालिन ने सदस्यता दिलाई, तीन बार तमिलनाडु के सीएम रह चुके



नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला। पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व AIADMK नेता ओ पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) ने शुक्रवार को इच्छा का दामन थाम लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को मौजूदगी में पार्टी जाइन की। यह कदम अप्रैल-मई में होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले उठाया गया है। तीन बार सीएम रहे पन्नीरसेल्वम ने जयललिता के करीबी ओ.पन्नीरसेल्वम पहली बार 2001 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने थे। हालांकि 6 महीने बाद ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया था।

संघ प्रमुख बोले- देशहित के लिए तीन बच्चे जरूरी: मोहन भागवत ने नशा रोकने का फार्मूला सुझाया

कहा- पैरेंट्स बच्चों को समय दें

लुधियाना, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत पंजाब प्रवास पर हैं। वो तीन दिन से पंजाब में हैं और अलग-अलग वर्ग के लोगों मिल रहे हैं। संघ प्रमुख ने देश की डेमाग्राफी में हो रहे बदलाव से लेकर नशे के संबंध में पूछे गए सवालों के खुलकर जवाब दिए। संघ प्रमुख ने कहा कि देश हित के लिए तीन बच्चे जरूरी हैं। ऐसा कई शोधों में भी साबित हो चुका है। उन्होंने कहा कि हमारे लोगों के बच्चों की संख्या कम हो रही है और वो बढ़ रहे हैं। जो पिता का विषय है। उन्होंने कहा कि तीन बच्चे सर्वोत्तम, दो बच्चे खराब और एक बच्चा पैदा करना बेहद खराब है। वहीं पंजाब में बढ़ते नशे के सवाल पर उन्होंने गहरी चिंता जाहिर की।



फाइटर हेलिकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरने वाली मुर्मू पहली राष्ट्रपति

कोकपिट से देश को गैस-वीर सैनिकों को गर्व के साथ धन्यवाद; जय हिंद, जय भारत



बाद राष्ट्रपति हेलिकॉप्टर के कोकपिट में बैठीं।

फिर सुबह करीब 10.15 बजे ग्रुप कैप्टन एन.एस. बहुआ के साथ हेलिकॉप्टर में उड़ान भरीं। हेलिकॉप्टर में 25 मिनट उड़ान के दौरान राष्ट्रपति ने

सीमावर्ती क्षेत्रों और पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज का हवाई जायजा लिया। जैसलमेर के सोनार दुर्ग के ऊपर 'प्रचंड' हेलिकॉप्टर में उड़ान भरते हुए राष्ट्रपति ने रेडियो के माध्यम से देश के नाम संदेश दिया।

'कोई नहीं कर सकता हमारे आदेश का उल्लंघन', बंगाल एसआईआर पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि न तो चुनाव आयोग और न ही राज्य सरकार हमारे आदेशों का उल्लंघन करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि हमने स्पष्ट कर दिया है कि किन दस्तावेजों की जांच की जानी है। हमारे आदेश क्लिकबल स्पष्ट हैं।

सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से बताया गया कि चुनाव आयोग ने राज्य में मतदाता सूचियों के एसआईआर में तैनात न्यायिक अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर टिप्पणी की कि



वह अपने न्यायिक अधिकारियों को जानता है और वे किसी भी चीज से प्रभावित नहीं होंगे। न्यायिक अधिकारियों के लिए जारी किया प्रशिक्षण मॉड्यूल: बंगाल सरकार: पश्चिम बंगाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिकारियों

कपिल सिबल ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के सामने इस मामले का उल्लेख किया। उन्होंने पीठ से कहा, 'चुनाव आयोग ने पीठ पीछे न्यायिक अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। एक प्रशिक्षण मॉड्यूल

बंगाल एसआईआर में तैनात अधिकारी भटककर ओडिशा पहुंचे, बच्चा चोर समझकर लोगों ने पीटा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में एसआईआर विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के लिए तैनात दो अधिकारी गलती से पड़ोसी राज्य ओडिशा के बालासोर जिले के एक गांव में घुस गए थे। वहां के स्थानीय लोगों ने उन पर बच्चा अपहरण करने वाले गिरोह के सदस्य होने के संदेह में हमला कर दिया था। यह जानकारी शुक्रवार को पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार को उस समय की है, जब दो अधिकारी बालासोर जिले के रायबानिया पुलिस थाना क्षेत्र के एक गांव में दाखिल हुए, जिसकी सीमा पश्चिम बंगाल से लगती है।

बच्चा अपहरण गिरोह समझ कर किया हमला पुलिस के अनुसार, दोनों अधिकारियों को एसआईआर के काम के लिए सूक्ष्म पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया गया था। उन्हें पश्चिम बंगाल के नयाग्राम ब्लॉक के एक गांव का दौरा करना था, लेकिन वे गलती से ओडिशा के सीमावर्ती गांव में प्रवेश कर गए क्योंकि उनकी किराए की ऑटो-रिक्शा उस सटीक गांव का पता नहीं लगा पाई जहां उन्हें जाना था। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों को उन पर बच्चा अपहरण करने वाले गिरोह का सदस्य होने का संदेह था। इस वजह से उन्होंने उन पर हमला किया।

जारी किया है जिसमें कहा गया है कि उन्हें क्या स्वीकार करना चाहिए और कहा, 'हम इस तरह की बातें बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसका अंत होना

लिए तैनात न्यायिक अधिकारी इस संबंध में फैसले लेंगे। सीजेआई ने कहा, 'हम इस तरह की बातें बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसका अंत होना

चाहिए। हम अपने न्यायिक अधिकारियों को जानते हैं और वे किसी भी चीज से प्रभावित नहीं हो सकते।'

राजस्थान में सनसनीखेज खुलासा: रिश्तेदारों ने की थी 4 साल के प्रिंस की हत्या, एक्सप्रेसवे के किनारे दफनाया शव

जयपुर, (निप्र)। राजस्थान के दौसा जिले में छह साल पहले लापता हुए चार वर्षीय मासूम प्रिंस उर्फ टिड्डू के मामले में अब एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई है। पुलिस जांच में पता चला है कि बच्चे की हत्या उसके ही रिश्तेदार अनिल और कृष्णा ने कथित तौर पर आपसी रंजिश के चलते की और शव को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के किनारे दफना दिया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्होंने पूछताछ में जुर्म कबूल कर लिया है। मामला 16 अगस्त 2020 का है, जब ऊनबड़ गांव की रामदेवा ब्यापी में प्रिंस अपने घर के आंगन में खेलते-खेलते अचानक लापता हो गया था। परिवार ने गांव-गांव, रिश्तेदारी और दिल्ली-जयपुर तक खोजबीनी की, लेकिन कोई सुराज नहीं मिला। 2021 में परिवार ने राजस्थान हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की, जिसके बाद जांच तेज हुई। वर्षों में सात जांच

अधिकारी बदले गए, लेकिन मामला अनसुलझा रहा। हाईकोर्ट के सख्त निर्देश पर पुलिस ने गहन जांच की और आखिरकार आरोपी टूट गए। पुलिस के अनुसार, अनिल और कृष्णा ने रंजिश (कुछ रिपोर्टों में आरोपी की मां के सुसाइड से जुड़ी बात बताई गई) के कारण बच्चे को घर से उठाया, चाकू से गोदकर हत्या की और शव को कट्टे में बंद कर अगले दिन रात दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के पास (निर्माणधीन इलाके में) दफना दिया। आरोपी ने निशानदेही पर पुलिस ने खुदाई शुरू की। दिल्ली से माई गई ग्राउंड पेनिट्रेंटिंग रडार मशीन ने जमीन के लगभग 9 मीटर (30 फीट) नीचे संदिग्ध संकेत दिए। इसके आधार पर जेसीबी मशीनों से तीन दिनों से 24 घंटे लगातार खुदाई चल रही है। अब तक 15 फीट से अधिक गहराई तक खोदा जा चुका है, लेकिन शव या कंकाल नहीं मिला है। कुछ रिपोर्टों में 180-300 फीट तक के इलाके में खुदाई का जिक्र है। पुलिस



एनएचएआई से सड़क तोड़ने की अनुमति मांग रही है और मौसम विभाग से भी सहयता ली जा रही है। प्रिंस के पिता जगमोहन बैवा, जो दुबई में काम करते थे, 21 फरवरी को खबर मिलते ही भारत लौट आए। एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में उन्होंने भावुक होकर कहा कि अगर मेरा बेटा मिल जाए, चाहे उसकी हालत कैसी भी हो, मुझे खुशी होगी। मुझे पुलिस और न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है कि

न्याय मिलेगा। प्रिंस की बहन अर्चना और भाई समर सदमे में हैं। अर्चना ने बताया कि अनिल अक्सर टिड्डू को मोटरसाइकिल पर घुमाने ले जाता था और खोज में भी शामिल हुआ था, जो अब धोखा जैसा लगता है। समर ने उसे शरारती लेकिन प्यार बच्चा बताया, जो टूट खिलौनें ठीक करवाने आता था। परिवार का आंगन आज भी उड़स है बच्चे इधर-उधर बैठे हैं, एक नीम का पेड़ खड़ा है।



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

इस बार होली गौकाष्ठ वाली

“मेरे प्रिय प्रदेशवासियों, इस होली पर

आइए, एक पर्यावरण-अनुकूल कदम उठाएं, लकड़ी की जगह ‘गौकाष्ठ’ को उपयोग करें। लकड़ी जलाने से पेड़ों की कटाई बढ़ती है, जबकि गौमाता के गोबर से बनी गौकाष्ठ प्राकृतिक, शुद्ध, सुरक्षित और पर्यावरण के लिए बेहतर विकल्प है।

आइए, मिलकर हरियाली बचाएं और स्वच्छ, जिम्मेदार होली मनाएं।”

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री



पर्यावरणीय होलिका दहन पुरस्कार

सरकार द्वारा हर जिले में पर्यावरण अनुकूल, गौकाष्ठ से होलिका दहन करने वाली समितियों को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा

सभी सार्वजनिक

होलिका दहन

समितियों का आह्वान

नि:शुल्क पंजीयन के लिए अपने नगरीय निकाय/ जनपद पंचायत में संपर्क करें

गौकाष्ठ से होगा होलिका दहन वचेंगे गौवंश, पेड़ और वन

यूपी-बिहार से लेकर एमपी और राजस्थान तक पारा 30 के पार

पहाड़ी राज्यों में बारिश-बर्फबारी की चेतावनी नई दिल्ली, (निप्र)। फरवरी के आखिरी सप्ताह में मौसम में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोत्तरी के साथ गर्मी अपना असर दिखाना शुरू कर रही है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा के कई शहरों में तापमान 30एच के पार चला गया है। वहीं, आज कई राज्यों में बारिश का भी अलर्ट जारी है। आइए जानते हैं देशभर के मौसम का हाल... मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। गुजरात और महाराष्ट्र के तापमान में भी इजाफा देखने को मिलेगा। इस बीच मौसम विभाग ने आज, यानी 27 फरवरी को 6 राज्यों में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है। अगर बात करें दिल्ली एनसीआर के मौसम की तो यहां तेज हवाओं



के कारण लोगों को प्रदूषण से काफी हद तक राहत मिली है। दिन में धूप खिली रहेगी। यहां 27 फरवरी को अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री तथा 28 फरवरी को अधिकतम 32 डिग्री और न्यूनतम 16 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, राजस्थान के कई शहरों में तापमान 30एच के पार चला गया है। 26 फरवरी को राजस्थान कई इलाकों में दिन का

अधिकतम तापमान 37 से ऊपर चला गया। बाड़मेर में सबसे ज्यादा तापमान 36.3एच दर्ज किया गया। वहीं, जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर में भी सामान्य से अधिक गर्मी महसूस हुई। मध्य प्रदेश में तीखी धूप देखने को मिल रही है। यहां तापमान 27 से 32 के बीच दर्ज हो रहा है। कल भोपाल और इंदौर जैसे प्रमुख शहरों में तापमान 29 से 30 डिग्री के आसपास रहा, जबकि बुरहानपुर

जैसे दक्षिणी क्षेत्रों में पारा 32 डिग्री तक पहुंच गया। अगर बात करें उत्तर प्रदेश के मौसम की तो फिलहाल यहां बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकांश जिलों में धूप खिलेगी। तापमान में बढ़ोत्तरी जारी रहेगी। यूपी के जिन जिलों में पारा बढ़ने वाला है, उनमें कानपुर,मेरठ, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़ इटावा,मैनपुरी, मथुरा, अमेठी, आजमगढ़, अमरोहा,बागपत, बहराइच, बलिया, बलरामपुर शामिल हैं। कई जिलों में तापमान 30 डिग्री के पार पहुंच चुका है। अगर बात करें बिहार के मौसम की तो यहां भी बारिश की कोई संभावना नहीं है। यहां तापमान में वृद्धि के साथ गर्मी का असर देखने को मिल सकता है। राजधानी पटना में आज अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। 31.8 डिग्री सेल्सियस के साथ कैमूर में सर्वाधिक तापमान दर्ज किया गया।

कौन है पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेट डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का बना लिया था पूरा प्लान



वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका में एक पाकिस्तानी शख्स के खिलाफ मुकदमा चलाया गया है। उसपर ईरान के साथ मिलकर अमेरिका में राजनीतिक हत्याओं की साजिश रचने का आरोप है। उसकी टारगेट लिस्ट में डोनाल्ड ट्रंप का भी नाम शामिल था। ईरान के साथ मिलकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रचने वाले पाकिस्तानी शख्स के खिलाफ मुकदमा शुरू हो गया है। आरोपीका नाम आसिफ मर्चेट है।

यह मुकदमा ब्रकलिन की फेडरल कोर्ट में चलाया गया है। अगर दोष साबित होता है तो उसे उम्र कैद हो सकता है। दावा है कि मर्चेट के संबंध ईरान की सरकार से थे और 2024 में वह न्यूयॉर्क पहुंचकर ऐसे लोगों से मिला जिन्हें वह अमेरिका में हत्याएं करवाने के लिए भर्ती करना चाहता था। डोनाल्ड ट्रंप भी उसके टारगेट में थे। आसिफ मर्चेट के बारे में कई जानकारीयां अभी एफबीआई ने गुप्त रखी हैं। मर्चेट ने हत्या की सुपारी लेने वाले

समझकर दो लोगों को 5 हजार डॉलर एडवेंस भी दिए थे। ये दोनों एफबीआई के अंडरकवर ऑफिसर थे। कोर्ट में वकीलों ने बताया कि मर्चेट ने राजनेताओं की हत्या का प्लान तो बनाया था हालांकि वह इसे जमीन पर उतार नहीं पाया और इससे पहले ही पकड़ा गया। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि जो लोग उसके निशाने पर थे उनमें राष्ट्रपति ट्रंप भी शामिल थे। कोर्ट में बताया गया कि आसिफ मर्चेट होटलों में बैठक करता था और लोगों को अपने टारगेट के बारे में समझाता था। कोर्ट में वीडियो के जरिए बताया गया कि वह किस तरह से खतरनाक प्लान तैयार कर रहा था। मर्चेट चाहता था कि अमेरिका में चुनाव से पहले राजनीतिक हत्याएं करवाकर माहौल खराब कर दिया जाए। साल 2000 में जब से अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत हो गई थी, तब से ही ईरान अमेरिका में हत्याएं

करवाने की फिराक में था। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका आने से पहले आरोपी ईरान में ही रहता था। हालांकि ईरान ने ऐसी किसी भी साजिश से इनकार किया है। बीते दिनों फ्लोरिडा के फोर्ट पियर्स कोर्ट में डोनाल्ड ट्रंप पर गोलीचलाने वाले को उम्रकैद की सजा दी गई है। आरोपी खुद को निर्दोष साबित करना चाहता था। अभियोजन पक्ष ने कहा कि वह कई हफ्तों से ट्रंप की हत्या की योजना बना रहा था। रयान रूथ नाम के इस शख्स पर आरोप था कि वह ट्रंप के गॉल्फ कोर्स के आसपास झाड़ियां में छिपा रहता था और उसके पासराइफल भी मौजूद थी। उसके इरासे पहले ही सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने उसे देख लिया। जब उसे पकड़ने की कोशिश की गई तो वह हथियार छोड़कर भाग निकला। वहीं बचावपक्ष के वकील ने कहा कि रूथ की उम्र 60 के करीब है और ऐ में उसे ऐसी सजा मिलनी चाहिए जिसमें उसे स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां ना हों।

420 ड्रेन और 39 मिसाइल,रतभर बरसी तबाही, रूस की बौछर से फिर दहला यूक्रेन

कीव, एजेंसी। जिनेवा में अमेरिका और यूक्रेन के बीच चल रही वार्ता के बीच रूस ने कीव पर भयंकर हवाई हमला किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने गुरुवार को कहा कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर 420 ड्रेन और 39 मिसाइलों से हमला किया। जिनेवा में अमेरिका और यूक्रेन के बीच चल रही वार्ता के बीच रूस ने कीव पर भयंकर हवाई हमला किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने गुरुवार को कहा कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर 420 ड्रेन और 39 मिसाइलों से हमला किया। यह हमला अमेरिकी और यूक्रेनी दूतों द्वारा जिनेवा में युद्ध समाप्त करने के लिए और अधिक बातचीत करने से कुछ घंटे पहले हुआ, जो अब अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। जेलेंस्की ने बताया कि इस हमले में 11 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं और यूक्रेन के आठ क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे तथा आवासीय इलाकों को निशाना बनाया गया।

अधिकारियों के अनुसार, बच्चों सहित दर्जनों लोग घायल हुए हैं, हालांकि मृतकों की सटीक संख्या की तुलना नहीं की गई। जेलेंस्की ने बुधवार देर रात कहा कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की और शांति वार्ता को आगे बढ़ाने में उनके प्रयासों तथा भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया। अमेरिका की मध्यस्थता में मॉस्को और कीव के बीच वार्ता जारी है, लेकिन रूस द्रव्य दावा किए गए यूक्रेनी क्षेत्र के मुद्दे पर गतिरोध बना हुआ है। जेलेंस्की ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर सम्मेलन की मांग की है और कहा है कि आमने-सामने की बैठक किसी समझौते तक पहुंचने में निर्णायक साबित हो सकती है। हालांकि, क्रेमलिन ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है, सिवाय यूक्रेनी राष्ट्रपति को मॉस्को के आमंत्रित करने के, जिसे जेलेंस्की ने टुकरा दिया। ट्रंप के प्रतिनिधि स्टीव बिट्कोफ और जेरेड कुशनेर ने वार्ता में हिस्सा लिया। ये दोनों



जिनेवा में ईरान के साथ परमाणु वार्ता पर विचार करने के बाद यूक्रेन युद्ध पर चर्चा के लिए पहुंचे थे। उन्होंने यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के प्रमुख रस्तम उमेरोव से मुलाकात की। वे जेलेंस्की के साथ ट्रंप की बातचीत में भी शामिल हुए। उमेरोव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि दूतों के साथ यूक्रेन को आर्थिक सहायता, पुनर्निर्माण, निवेश आकर्षित करने के तरीकों और दीर्घकालिक सहयोग के ढांचे पर चर्चा हुई। उनके अनुसार, बैठक में रूस को शामिल करके त्रिपक्षीय वार्ता के अगले दौर की तैयारियों पर भी विचार किया गया, साथ ही कैदियों के संधावित

आदान-प्रदान पर भी बात हुई। जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने पोल्टावा क्षेत्र में गैस बुनियादी ढांचे तथा कीव और झ्नीपो क्षेत्रों में बिजली सबस्टेशनों पर हमला किया। राजधानी कीव सहित पांच अन्य क्षेत्रों में आपातकालीन दल मौके पर पहुंचे। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने रूस की अधिकांश मिसाइलों को मार गिराया और पश्चिमी सहयोगियों को समय पर अतिरिक्त वायु रक्षा हथियारों की आपूर्ति के लिए धन्यवाद दिया। रूस की बड़ी सेना के खिलाफ लड़ाई जारी रखने के लिए यूक्रेन को विदेशी मदद की सख्त जरूरत है।

सुप्रीम संवेदनशीलता: न्यायिक तंत्र में संवेदना-करुणा को तरजीह

भारतीय समाज में किसी भी तरह की हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिये न्याय पाने की प्रक्रिया में न्यायिक तंत्र की विसंगतियों से जूझना कष्टप्रद रहा है। समाज में सोच रही है कि पहले ही हिंसा का शिकार हुई स्त्री द्वारा अपनी आपबीती को बार-बार दोहराना पुनः उसी यंत्रणा से गुजरना जैसा होता है। उसकी अभिव्यक्ति की गोपनीयता व पहचान सुरक्षित रखने की भी जरूरत महसूस की जाती रही है। विडंबना यह भी रही है कि अक्सर स्त्री के खिलाफ हुई हिंसा

से जुड़े मामले में सामाजिक धारणाओं पर पितृसत्तात्मक सोच वाली मानसिकता का वर्चस्व रहता है। निर्विवाद रूप से हर तरफ से हारा-हताश व्यक्ति न्याय की चौखट पर अंतिम सहारे के रूप में जाता है। लेकिन कई बार देखने में आया है कि स्त्री के विरुद्ध हुए अपराधों के मुकदमे के दौरान टिप्पणियों व फैसले पर पूर्वाग्रहों का असर नजर आता है, जिसे पहले से पीड़ित स्त्री के कष्ट में इजाफा ही होता है। कहा जाता है कि इस प्रक्रिया में यदा-कदा

संवेदनशीलता व करुणा का भाव नदारद पाया गया। यही वजह है कि समय-समय पर शीघ्र अदालत न्यायाधीशों के निर्णयों को रूढ़िवादिता के प्रभाव से मुक्त करके लिये प्रयास किए हैं। इसी आलोक में पिछले दिनों देश की शीघ्र अदालत ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को यौन हिंसा व स्त्री से जुड़े अन्य अपराधों के परिप्रेक्ष्य में जजों तथा न्यायिक

प्रक्रिया से जुड़े लोगों के लिए संवेदनशीलता तथा करुणा विकसित करने की पहल की है। दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। निस्संदेह, इस संवेदनशील पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट का यह प्रयास भविष्य में नई लोक बनाएगा, जिसमें न्यायाधीश स्त्री के विरुद्ध

यौन हिंसा व अन्य अपराधों के मामलों में संवेदनशीलता के साथ सुनवाई कर सकेंगे। इसके साथ ही संभव हो सकेगा कि उनके फैसलों पर किसी सामाजिक भेदभाव की धारणा व पूर्वाग्रह का असर नजर न आए। निस्संदेह, इस प्रयास से न्याय को अधिक मानवीय व संवेदनशील बनाने में मदद मिल सकेगी। विगत में भी इस दृष्टिकोण की कमी न्यायिक प्रक्रिया में महसूस की जाती रही है। कई तरह की विसंगतियों को कई फैसलों में महसूस किया

जाता रहा है। यही वजह है कि शीघ्र अदालत को न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता विकसित करने की जरूरत पर बल दिया गया। हमारे समाज में न्यायाधीशों को पंच-परमेश्वर की संज्ञा दी गई है और उनसे नीर-क्षीर विवेक के साथ संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती रही है। निश्चित रूप से शीघ्र अदालत के हस्तक्षेप के बाद न्यायपालिका के नजरिये में बदलाव के साथ न्यायिक प्रक्रिया में निहित संवेदनशीलता का समावेश हो सकेगा।

नवाचार की शक्ति: रमन के सवाल से विज्ञान के संकल्प तक

दिलीप कुमार पाठक

आज 28 फरवरी का दिन पूरे भारत के लिए गौरव और आत्मसम्मान का प्रतीक है, क्योंकि आज हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मना रहे हैं। यह दिन महान भारतीय भौतिक विज्ञानी सर सी.वी. रमन की उस अद्भुत खोज रमन प्रभाव को समर्पित है, जिसने पूरी दुनिया की वैज्ञानिक समझ को एक नई दिशा दी और भारत को भौतिकी के क्षेत्र में पहला नोबेल पुरस्कार दिलाया। अक्सर हम विज्ञान को केवल बंद कमरों की प्रयोगशालाओं और जटिल सूत्रों का समूह मान लेते हैं, लेकिन वास्तव में विज्ञान हमारी जिज्ञासा और सत्य की खोज का दूसरा नाम है। सर रमन का सफर हमें सिखाता है कि बड़े आविष्कारों के लिए केवल महंगी उपकरणों की नहीं, बल्कि एक पैनी नजर और कुछ नया सोचने के जुनून की जरूरत होती है। समुद्र के पानी का रंग नीला क्यों होता है, इस एक साधारण से सवाल ने उन्हें दुनिया की सबसे बड़ी खोजों में से एक तक पहुंचा दिया। यह जानना दिलचस्प है कि जिस उपकरण से उन्होंने इतनी बड़ी खोज की, उसकी कुल लागत उस समय मात्र 200 रुपये के आसपास थी, जो आज के युग के लिए एक बड़ी प्रेरणा है कि आविष्कार बजट से नहीं बल्कि बुद्धि से होते हैं। अक्सर लोग समझते हैं कि आज सर रमन का जन्मदिन है, लेकिन असल में 28 फरवरी वह तारीख है जिस दिन उन्होंने अपनी खोज की घोषणा की थी, इसलिए भारत सरकार ने 1986 में इस दिन को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मान्यता दी।

आज जब हम 21वीं सदी के भारत की बात करते हैं, तो विज्ञान और तकनीक इसके सबसे मजबूत स्तंभ बनकर उभरे हैं। अंतरिक्ष की गहराइयों को नापने वाले हमारे चंद्रयान और मंगलयान मिशन से लेकर वैश्विक महामारी के दौरान रिकॉर्ड समय में तैयार की गई स्वदेशी वैक्सिन तक, भारतीय वैज्ञानिकों ने बार-बार यह साबित किया है कि नवाचार ही आत्मनिर्भरता का असली रास्ता है। विज्ञान का असली उत्सव तब सफल होता है जब इसकी पहुंच खेतों में काम करने वाले किसान से लेकर स्कूल में पढ़ने वाले एक साधारण विद्यार्थी तक हो। हमें यह समझना होगा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अर्थ केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि समाज में व्याप्त अंधविश्वासों को तर्क की कसौटी पर परखना और समस्याओं के रचनात्मक समाधान खोजना है। आज भारत जिस तरह से स्टार्टअप और डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है, उसमें युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। नवाचार केवल नई मशीनों को बनाना नहीं है, बल्कि कम संसाधनों में बेहतर जीवन जीने के तरीके खोजना भी है। आज हमारे सामने ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण और जल संकट जैसी बड़ी चुनौतियां खड़ी हैं, जिनका सामना हम पुरानी सोच से नहीं बल्कि वैज्ञानिक चेतना से ही कर सकते हैं। सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और कचरा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में हो रहे नए प्रयोग इस बात का प्रमाण हैं कि विज्ञान ही भविष्य की सुरक्षा की गारंटी है।

विज्ञान की सार्थकता तभी है जब वह समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स के इस दौर में हमें मानवीय संवेदनाओं और वैज्ञानिक प्रगति के बीच एक संतुलन बनाना होगा। हमें अपने ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान मेलों और प्रयोगशालाओं का जाल बिछाना होगा ताकि गाँवों की प्रतिभा को भी पंख मिल सकें। स्थानीय स्तर पर होने वाले छोटे-छोटे नवाचार ही भविष्य में बड़े वैश्विक बदलावों की नींव रखते हैं। विज्ञान हमें धैर्य और निरंतर प्रयास की शक्ति सिखाता है, जहाँ हर असफलता अनुसंधान का एक नया रास्ता खोलती है। सर रमन के व्यक्तित्व का एक और पहलू उनका संगीत के प्रति प्रेम था, उन्होंने तबला और मृदंगम जैसे वाद्य यंत्रों की ध्वनि पर भी शोध किया था, जो दर्शाता है कि विज्ञान और कला साथ-साथ चलते हैं। विद्यार्थियों के लिए विज्ञान केवल परीक्षा पास करने का जरिया नहीं होना चाहिए, बल्कि यह एक ऐसी खिड़की होनी चाहिए जिससे वे पूरी दुनिया को नए नजरिए से देख सकें। स्कूलों में जब तक रटने की जगह सवाल पूछने की संस्कृति विकसित नहीं होगी, तब तक हम नए रमन पैदा नहीं कर पाएंगे। सरकार के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों की सफलता भी इसी बात पर निर्भर है कि हम तकनीक के मामले में दुनिया के पीछे चलने के बजाय दुनिया को रास्ता दिखाएं।

युवाओं में बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य खतरों को रेखांकित करना समय की मांग

किशन सनमुखदास भावनानी

साथियों बात अगर हम वर्तमान जीवन शैली की करें तो इसके लिए उपरोक्त पुरानी टिकाऊ जीवन शैली की चर्चा करना बेहद जरूरी था जिसकी प्रत्यक्ष रिपोर्टिंग मैंने बुजुर्गों से की इसी जीवन शैली का नतीजा हमारे सामने माननीय पीएम द्वारा उल्लेखित 126 वर्षीय पदम पुरस्कार से सम्मानित बाबा शिवानंद का है जो पूरे विश्व के सामने एक मिसाल कायम है। साथियों बात अगर हम वर्तमान निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थ्यकर आहार की करें तो वर्तमान में हम देख रहे हैं कि अनेक चाइनीस फूड, पिज्जा जैसे सैकड़ों ऐसे फास्ट फूड हैं जिसपर आहार के रूप में हमारी निर्भरता बढ़ गई है हमने हर दिन या हर दूसरे तीसरे दिन इनको ग्रहण करने के का प्रचलन कायम कर दिए हैं। हालांकि यह फास्ट फूड ग्रहण करने का हमारा विरोध या टीकाटिप्पणी नहीं है परंतु हमारा उद्देश्य अस्वास्थ्यकर आहारों की आदत से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना है क्योंकि अगर हम दशकों पुराने जमाने और आज के जमाने की निरंतर बढ़ती खाई, अस्वास्थ्यता, बीमारियों का प्रकोप, स्वास्थ्य स्थिरता, शारीरिक कष्ट इत्यादि सैकड़ों स्वास्थ्य खतरों की करें तो यह समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। अगर हम खासकर वर्तमान पीढ़ी, देश का भविष्य बच्चों और युवाओं को इस बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य खतरों को रेखांकित नहीं करा जाए तो यह गैप बहुत बड़ा जाएगी और हमारी ओरिजिनल भारतीय आहार संस्कृति, टिकाऊ जीवन



शैली, विलुप्त की ओर बढ़ने लगेंगी इसलिए समय आ गया है कि हम युवाओं में इसके प्रति जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें सचेत करें।

साथियों बात अगर हम पुरानी टिकाऊ जीवन शैली और वर्तमान जीवन शैली के अंतर की करें तो हमने कई बार सुना होगा दादा जी तुम तो पुरानी मजबूत हड्डियों से बने हो! तुम्हारे पास पुराने ही भी मक्खन की ताकत है, तुम पुराने जमाने के सोने के अंडे खाए, लाभ पाए हो, इत्यादि इत्यादि बातें हम करते हैं जो बिल्कुल सच है परंतु यह असर कोई शक्तिशाली विटामिन का नहीं बल्कि टिकाऊ जीवन शैली, स्वास्थ्यकर आहार, नियमित कसरत, अपार मेहनत, प्रकृति की गोद में बिताए लम्हों की ताकत है जो स्वास्थ्य और शरीर को मजबूत और टिकाऊ बनाए हुए है इसीलिए हर बड़े बुजुर्ग का कर्तव्य है कि वह अपने मार्गदर्शन से एक सामाजिक टीम खड़ी कर युवाओं को हेल्दी फूड स्वास्थ्य आहार की आदत, पाश्चात्य जीवन शैली का त्याग, तेजी से बदलती जलवायु परिवर्तन के घातक परिणामों से सबक जैसे अनेक मुद्दों को रेखांकित कर युवाओं को मार्गदर्शन,

जन जागरण अभियान चलाकर प्रेरित करें। साथियों बात अगर हम अस्वास्थ्यकर आहार के खतरों पर देश में बने कानूनों, नियमों, विनियमों, राज्य स्तरीय कानूनों, शासन, प्रशासन की करें तो हालांकि उपभोक्ता कानून सहित अनेक नियमों कानूनों में इस संबंध में सख्त धाराएँ हैं परंतु जरूरत उस सख्तों के साथ कानून लागू करने की, जनता को जागृत करने की, अधिकारियों में जाबाजी और जज्बे की, जिसके बल पर कुछ कानून का सहारा, कुछ जनजागरण का सहारा, प्रोत्साहन, सतर्कता इत्यादि के बल पर हम इन से बचकर एक टिकाऊ जीवन शैली, स्वास्थ्यकर आहार, अदार्तों को अपनाकर अपनी शरीर, स्वास्थ्य, जीवन को सुरक्षित और सकारात्मक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम माननीय पूर्व उपराष्ट्रपति द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो इस विषय पर उन्होंने भी कहा, भारत में गैर-संचारी रोगों में वृद्धि की चिंताजनक रूझान को रेखांकित करते हुए उन्होंने निजी क्षेत्र में चिकित्सा संस्थाओं से लोगों, विशेष रूप से युवाओं को भी एक एक

विज्ञान में नए आयाम स्थापित करता भारत

प्रोफेसर रवीन्द्र नाथ तिवारी

भारत का वैज्ञानिक इतिहास अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली रहा है। प्राचीन काल में बौधायन, आर्यभट्ट, वराहमिहिर, चरक, नागार्जुन, ब्रह्मगुप्त और सुश्रुत जैसे महान वैज्ञानिकों ने गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा और रसायन विज्ञान में महत्वपूर्ण खोजें कीं, जो आज भी विश्वभर में मान्य हैं। इस महान परंपरा को आधुनिक भारतीय वैज्ञानिकों ने आगे बढ़ाया है, जिनमें चंद्रशेखर वेंकटरमन का नाम अग्रणी है। चंद्रशेखर वेंकटरमन ने 28 फरवरी 1928 को रमन प्रभाव की खोज की, जिससे प्रकाश के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए भारत में 1986 से हर वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना और विज्ञान के महत्व को आमजन तक पहुंचाना है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 की थीम विज्ञान में महिलाएँ: विकसित भारत को गति देने वाली हैं। यह दिवस हमें विज्ञान की शक्ति को पहचानने और आने वाली पीढ़ियों को नवाचार की ओर प्रेरित करने का अवसर प्रदान करता है।

भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त पहचान स्थापित की है। अंतरराष्ट्रीय आकलनों के अनुसार भारत वैज्ञानिक एवं तकनीकी मानव संसाधन, शोध क्षमता और नवाचार के क्षेत्र में विश्व की अग्रणी देशों में निरंतर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। वैज्ञानिक प्रकाशनों की संख्या में लगातार वृद्धि के साथ भारत वैश्विक ज्ञान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स 2025 में भारत 39वें स्थान पर बना हुआ है, जो नवाचार परिस्थितिकी तंत्र, स्टार्ट-अप संस्कृति, डिजिटल विस्तार और अनुसंधान क्षमता के सुदृढ़ होने का प्रमाण है। इसी प्रकार नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स 2025 में भारत 49वें स्थान पर अपनी स्थिति बनाए हुए है तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईसीटी सेवा निर्यात, डिजिटल एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंडिया महाराष्ट्र)

में विश्व स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहा है।

वैश्विक अनुसंधान उत्पादन के संदर्भ में भारत शोध प्रकाशनों की संख्या के आधार पर विश्व के शीर्ष देशों में बना हुआ है और जी-20 देशों में अग्रणी स्थान रखता है। देश में अनुसंधान एवं नवाचार को नई दिशा देने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा तैयार 'टेक्नोलॉजी विजन 2035' में स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, जल, पर्यावरण और उन्नत प्रौद्योगिकी जैसे प्राथमिक क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है। महिला वैज्ञानिकों की भागीदारी बढ़ाने, अनुप्रयुक्त अनुसंधान को प्रोत्साहित करने, हेतुस्त्रीय कौशल क्षमता विकसित करने के लिए राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन, नवाचार संस्कृति को सुदृढ़ करने के लिए एटल इनोवेशन मिशन, तथा विद्यार्थियों को शोध के प्रति प्रेरित करने के लिए ईस्पायर जैसी योजनाएँ प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। उच्चशिक्षण के क्षेत्र में भारत निरंतर नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है। गणनायन मानव अंतरिक्ष मिशन, शुक्र कक्षीय मिशन, चंद्रयान-4, उन्नत प्रक्षेपण यान, अंतरिक्ष में डॉकिंग तकनीक तथा निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी भारत को वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित कर रहे हैं। इन सभी प्रयासों के माध्यम से भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार आधारित विकास के पथ पर अग्रसर होकर आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

21वीं सदी का भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नेतृत्व में तीव्र गति से प्रगति कर रहा है, और इस परिवर्तन में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बनकर उभरी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान, नवाचार और आर्थिक स्वावलंबन के क्षेत्र में उनकी बढ़ती भागीदारी न केवल सामाजिक संरचना को सशक्त कर रही है, अपितु देश की वैज्ञानिक क्षमता को भी नई ऊँचाइयों तक पहुंचा रहा है। आज महिलाएँ पारंपरिक भूमिकाओं से आगे बढ़कर प्रयोगशालाओं, अनुसंधान संस्थानों, अंतरिक्ष अभियानों और तकनीकी उद्योगों में अपनी विशिष्ट पहचान बना रही हैं। इसरो की महिला वैज्ञानिकों ने मंगलयान और अंतरिक्ष अभियानों में महत्वपूर्ण योगदान देकर यह सिद्ध किया है कि विज्ञान के आकाश में उनकी उड़ान असीम है।

उपभोक्ता कानून में शीघ्र न्याय दिला सकती कृत्रिम बुद्धिमत्ता !

डॉ श्रीगोपाल नारसन्

उपभोक्ता कानून में एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का उपयोग रियल-टाइम डेटा विश्लेषण द्वारा खरीदारी के पैटर्न को समझने, शिकायतों के तेजी से निपटारे और फ्रैडिट कार्ड धोखाधड़ी को रोकने के लिए किया जा रहा है। यह तकनीक उपभोक्ता सेवा की गुणवत्ता पर नजर रखने में सहायक सिद्ध हो रही है। उपभोक्ता मंत्रालय, उपभोक्ताओं की शिकायतों को सुनने और उसका समाधान देने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहा है। एआई के कारण शीघ्र समाधान के चलते डिजिटल

शिकायतों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। एआई का उपभोक्ता कानून में उपयोग सन 2023 में पहली बार शुरू किया गया था। आईआईटी बॉम्बे के कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ. पुष्पक भट्टाचार्य और उनकी टीम ने यह चैटबॉट तैयार किया है। साथ ही एनएलएसआईयू बेंगलुरु के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राहुल हेमराजानी और उनकी टीम ने कानूनी पहलुओं को जोड़ते हुए इस चैटबॉट को प्रशिक्षित किया। डॉ. पुष्पक भट्टाचार्य और डॉ. राहुल हेमराजानी के इस प्रोजेक्ट में उपभोक्ता मंत्रालय नॉलेज पार्टनर था। उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान में एआई बेहद

कारगर है। इसी के कारण उपभोक्ता शिकायतों की संख्या व समाधान में इजाफा हुआ है। आंकड़ों पर गौर करें तो दिसंबर, 2015 देश में जहां 12,553 उपभोक्ताओं की शिकायत दर्ज हुई थीं, वहीं अब यह संख्या आ बढ़कर 1,55, 138 हो गई है। सन 2023 में इन शिकायतों के समाधान में सामान्यतः 66.26 दिन लगते थे, जबकि सन 2024 में यह अवधि घटकर 48 दिन रह गई। वहीं जिन कंपनियों के खिलाफ शिकायतें अधिक होती हैं, उनको कन्वेंस पार्टनर बनाया जाता है। सन 2017 में ऐसी कंपनियों की संख्या 263 थी, जो कि अब बढ़कर 1,038 हो गई है। एआई बेस प्रोजेक्टव शुरू होने के

बाद ये कंपनियां उपभोक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता दे रही हैं। देश में 53 प्रतिशत से अधिक लोग ऐसे हैं, जो सरकारी पोर्टल का उपयोग नहीं कर पाते हैं। ऐसे में एआई चैटबॉट उनकी मदद करेगा। हाल ही में गणेश प्लेसटफॉर्म ने उपभोक्ता मामलों के मंजूर होने के साथ मिलकर जागूटि एआई चैटबॉट लॉन्च किया है, जो उपभोक्ताओं के लिए मील का पत्थर है। कानून के क्षेत्र में एआई न्याय गुरु देश का पहला एआई आधारित लीगल चैटबॉट है। यह लोगों को न सिर्फ ऑनलाइन कानूनी सलाह देता है, बल्कि कानूनी तौर पर उनके अधिकारों को समझने में मदद भी करता है।

अमेरिकी टैरिफ पर सियासत नहीं रणनीति की जरूरत भारत के हित सर्वोपरि होने चाहिए

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा सभी देशों पर पंद्रह प्रतिशत समान टैरिफ लगाने की घोषणा ने वैश्विक व्यापार जगत में नई हलचल पैदा कर दी है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। पहले दस प्रतिशत की बात हुई फिर चौबीस घंटे के भीतर पंद्रह प्रतिशत का ऐलान कर दिया गया। इस बदलाव ने यह स्पष्ट कर दिया कि अमेरिका अपनी घरेलू आर्थिक और राजनीतिक जरूरतों के अनुसार व्यापार नीति को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। ऐसे समय में भारत को भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं बल्कि संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

कातिलात मांजोत

भारतीय राजनीति में इस मुद्दे को लेकर आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने इसे देश के साथ धोखा बताया और सरकार पर अमेरिकी दबाव में झुकने का आरोप लगाया। वहीं नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का कहना है कि वह राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर संभव कूटनीतिक प्रयास कर रही है। इस पूरे घटनाक्रम में यह देखना अधिक महत्वपूर्ण है कि वास्तविक आर्थिक प्रभाव क्या होगा और भारत को आगे की रणनीति कैसी बनानी चाहिए। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि पंद्रह प्रतिशत का बेसलाइन टैरिफ सभी देशों पर समान रूप से लागू किया गया है। इससे भारत को कोई अलग से दर्द नहीं मिला है बल्कि वह अन्य प्रतिस्पर्धी देशों के समान स्तर पर आ गया है। टेक्सटाइल और मैनुफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में यह समानता भारत के लिए चुनौती भी है और अवसर भी। यदि वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देश इसी दर पर निर्यात करेंगे तो भारत को अपनी लागत प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता सुधार पर अधिक ध्यान देना होगा। यह समय आत्ममंथन का है न कि केवल राजनीतिक बयानबाजी का। एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि फार्मा पेट्रोलियम और कुछ इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों को इस पंद्रह प्रतिशत टैरिफ से बाहर रखा गया है। इन पर पहले की तरह लगभग तीन प्रतिशत का औसत शुल्क लागू



रहेगा। भारत अमेरिका को बड़ी मात्रा में दवाइयों और ऊर्जा उत्पाद निर्यात करता है। यदि इन क्षेत्रों को राहत मिली है तो यह स्पष्ट संकेत है कि अमेरिका भी उन उत्पादों पर सख्ती नहीं कर सकता जो उसकी अपनी जरूरत से जुड़े हैं। इसका अर्थ है कि भारत की आपूर्ति श्रृंखला और वैश्विक महत्व को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कांग्रेस द्वारा हर निर्णय का

विरोध करना राजनीतिक दृष्टि से समझ में आ सकता है परंतु आर्थिक मामलों में अतिरिक्त उचित नहीं है। यदि टैरिफ अट्ठारह प्रतिशत से घटकर पंद्रह प्रतिशत हुआ है तो इसे पूर्ण पराजय या धोखा कहना तथ्यों के साथ न्याय नहीं करता। व्यापार समझौते हमेशा गतिशील होते हैं। अंतरिम डील का मसौदा बदला जा सकता है और कूटनीति में पुनर्विचार की गुंजाइश बनी रहती है।

ऐसे में विपक्ष को रचनात्मक सुझाव देने चाहिए ताकि सरकार बेहतर रणनीति बना सके। भारत को यह भी समझना होगा कि अमेरिका की नीतियों केवल भारत को लक्ष्य करके नहीं बनतीं। अमेरिका अपने घरेलू उद्योगों को संरक्षण देने के लिए वैश्विक स्तर पर दबाव की नीति अपनाता है। ट्रम्प प्रशासन ने पहले ही टैरिफ को कूटनीतिक उपकरण की तरह इस्तेमाल किया है। इसलिए भारत को दीर्घकालिक दृष्टि से अपनी निर्यात रणनीति को विविधोक्त करना होगा। यूरोप एशिया अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में नए बाजार तलाशने होंगे। यदि किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता रहेगी तो ऐसी नीतिगत स्थिति से झटका लगना स्वाभाविक है।

यह भी सच है कि भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। यदि अमेरिका के साथ व्यापार में अस्थिरता आती है तो भारत को अपने घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने का अवसर समझना चाहिए। निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन देकर उच्च तकनीक और वैल्यू एडेड उत्पादों पर ध्यान देना होगा। केवल कच्चा माल या निम्न मूल्य के उत्पाद निर्यात कर हम वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे नहीं बढ़ सकते। राजनीतिक विमर्श में यह भी देखा जा रहा है कि सरकार की हर पहल को संदेह की नजर से देखा जा रहा है। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है परंतु जब मुद्दा राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का हो तो भाषा संयमित और तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए। जनता को यह समझना होगा कि वैश्विक व्यापार में स्थायित्व

कम और परिवर्तन अधिक होता है। ऐसे में सरकार और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है कि वे देश के हित को सर्वोपरि रखें। भारत की नीतियों केवल भारत को लक्ष्य करके नहीं बनतीं। बहुपक्षीय मंचों पर सक्रिय भूमिका और विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते इसका प्रमाण हैं। यदि अमेरिका के साथ किसी प्रावधान में संशोधन की आवश्यकता होगी तो बातचीत के माध्यम से समाधान निकाला जा सकता है। टकराव की भाषा से बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है और निवेशकों का विश्वास प्रभावित होता है। अंततः यह कहना उचित होगा कि पंद्रह प्रतिशत टैरिफ को लेकर अतिशयोक्ति से बचना चाहिए। यह न तो पूर्ण जीत है और न ही पूर्ण हार। यह वैश्विक व्यापार राजनीति का एक अस्थायी भर है। भारत को आत्मनिर्भरता और निर्यात विविधोक्ति का दिशा में निरंतर आगे बढ़ना होगा। विपक्ष को चाहिए कि वह केवल विरोध की राजनीति से ऊपर उठकर ठोस आर्थिक सुझाव दे। सरकार को चाहिए कि वह पारदर्शिता बनाए रखे और उद्योग जगत को स्पष्ट दिशा प्रदान करे। देश की अर्थव्यवस्था किसी एक बयान या एक निर्णय से नहीं डामगाती। मजबूत नीति स्पष्ट रणनीति और सामूहिक राजनीतिक परिपक्वता ही हमें वैश्विक अनिश्चितताओं से सुरक्षित रख सकती है। अमेरिका की नीति बदल सकती है पर भारत की दीर्घकालिक आर्थिक सोच स्थिर और दूरदर्शी होनी चाहिए। यही समय की मांग है और यही राष्ट्रीय हित की सच्ची रक्षा भी है।

अल्प प्रवास पर आए केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान

ट्रेड डील पर कांग्रेस के आरोप पर बोले- जो देश के लिए कुछ नहीं कर पाए वह सिर्फ कहेंगे

मीडिया ऑडिटर, ग्वालियर (निप्र)। अल्प प्रवास पर पहुंचे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झांसी निकलने से पहले एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस पर हमला यूएसए से ट्रेड डील को किसान विरोधी बताते हुए कांग्रेस प्रदर्शन कर रही है इस पर शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस को आड़े हाथ लिया है केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा है कि यह कांग्रेस कह रही है जो देश के लिए कुछ नहीं कर पाए हैं वह सिर्फ कहेंगे वह सिर्फ विलाप कर रहे हैं सच यह है कि भारत के सभी हित सुरक्षित हैं किसानों के हित सुरक्षित हैं यह बात एक कृषि मंत्री भी कह रहा है एक किसान भी कह रहा है इसलिए मेरे किसान भाई निश्चित हैं।

एयरपोर्ट पर शिवराज सिंह का स्वागत करते बीजेपी कार्यकर्ता: भारत सरकार में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को शुरुवार को झांसी में एक कार्यक्रम में जाना है वह



दिल्ली से फ्लाइट के जरिए ग्वालियर पहुंचे और यहां से झांसी के लिए रवाना हुए हैं इस दौरान राजमाता विजयराजे सिंधिया एयर टर्मिनल पर केंद्रीय कृषि मंत्री का भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया केंद्रीय मंत्री चौहान ने महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर

आजाद के शहादत दिवस पर उनको नमन करते हुए कहा कि भारत माता की स्वतंत्रता के लिए उन्होंने अपना सर्वस्व न्योछावर किया वह आज भी हमारी प्रेरणा है वे देश के लिए संपूर्ण जीवन देकर गए हम देश के लिए यही संकल्प करें और देश के लिए

जोने का मतलब यही है कि हम अपनी ड्यूटी अपना कर्तव्य जो काम हमारी तरफ तय किया गया है उसे कैसे मेहनत से करें, ईमानदारी से करें प्रामाणिकता के साथ करें इजराइल संसद में पीएम के भाषण पर कहा- कई चीजें पहली बार हो रही हैं केंद्रीय कृषि



मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इजरायल की संसद में पहली बार भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिए गए भाषण को लेकर कहा कि कई चीजें पहली बार हो रही हैं पीएम मोदी के नेतृत्व में एक वैभवशाली गौरवशाली संपन्न समृद्ध शक्तिशाली आत्मनिर्माण

और विकसित भारत का निर्माण हो रहा है यह हम नहीं कहते जमाना कहता है भारत आगे बढ़ रहा है और यह मेरा विश्वास है कि आज जिस गति से भारत आगे बढ़ रहा है। आज हम विश्व बंधु तो हैं ही, हम अपनी नहीं सोचते हम दुनिया की भी सोचते हैं।

2 दिवसीय श्याम महोत्सव शुरू:फागुन एकादशी पर तृतीय वार्षिक उत्सव



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। फागुन एकादशी के अवसर पर खाटू श्याम मंदिर में दो दिवसीय तृतीय वार्षिक श्याम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है जिसमें मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुओं और नगरवासियों को सपरिवार शामिल होने का आमंत्रण दिया है समिति के सदस्यों के अनुसार, महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को मंगल पाठ के साथ हुआ आज शुरुवार को सुंदरकांड पाठ और भोग प्रसाद वितरण किया जाएगा शाम 4 बजे स्थानीय राम मंदिर से खाटू श्याम मंदिर तक एक निशान

यात्रा निकाली जाएगी, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी शाम 7 बजे श्याम रसोई का आयोजन होगा, जिसके बाद रात 8:30 बजे से कलकत्ता के कलाकारों द्वारा श्याम संकीर्तन प्रस्तुत किया जाएगा इस संकीर्तन में श्रद्धालु भजन-कीर्तन के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान शामिल होने का आमंत्रण दिया है समिति के सदस्यों के अनुसार, महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को मंगल पाठ के साथ हुआ आज शुरुवार को सुंदरकांड पाठ और भोग प्रसाद वितरण किया जाएगा शाम 4 बजे स्थानीय राम मंदिर से खाटू श्याम मंदिर तक एक निशान

रेत माफिया पर खनिज विभाग का बड़ा प्रहार रेत खदान में छापा, चॉन माउंट मशीन व हाइवा जब्त



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। अवैध रेत उत्खनन पर शिकंजा कसते हुए कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में जिला खनिज उद्भेदना दल ने क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है इस कार्रवाई में ग्राम पंचायत मलकडोल स्थित रेत खदान में दबिश देकर अवैध रेत उत्खनन के उपकरणों को जब्त किया गया है खनिज अधिकारी दयानन्द तिग्गा ने बताया कि मलकडोल रेत खदान में लगातार चॉन माउंट मशीन के माध्यम से अवैध रेत लोडिंग की शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों की पुष्टि करने के लिए 25 फरवरी 2026 की रात खदान की सघन जांच की गई, जिसमें अवैध गतिविधियाँ पाई

गई मौके पर एक चॉन माउंट मशीन रेत लोडिंग करते हुए पकड़ी गई इस दौरान खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 की उपधारा (1) और (5) के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की गई और मशीन के साथ एक हाइवा वाहन भी जब्त किया गया जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ इस प्रकार की सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध रेत कारोबारियों में हड़कंप मचा है और यह कड़ा संदेश दिया गया है कि नियमों के उल्लंघन पर किसी भी स्तर पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

फौजी ने परिवार पर पेट्रोल डाला : करैरा में बंटवारे की सुनवाई के दौरान हंगामा लोगों ने छीनी माचिस

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। करैरा तहसील में गुरुवार (26 फरवरी 2026) को एक खौफनाक घटना सामने आई। यहां जमीन बंटवारे के एक मामले की सुनवाई के दौरान एक रिटायर्ड फौजी ने भरे न्यायालय कक्ष में अपने परिवार के साथ खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए माचिस छीन ली जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद पुलिस ने नायब तहसीलदार के प्रवाचक को शिकायत पर रिटायर्ड फौजी और उसके भाई के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है जानकारी के अनुसार, रिटायर्ड फौजी कमल किशोर पाठक का आरोप है कि नायब तहसीलदार और पटवारी उनकी जमीन के बंटवारे के एवज में अपने लिए एक प्लॉट की मांग कर रहे थे इसी बात से



आहत होकर और विवाद के चलते उन्होंने भरे न्यायालय में यह आत्मघाती कदम उठाया करैरा तहसील (वृत्त दिनारा) के नायब तहसीलदार के प्रवाचक लोकेन्द्र प्रसाद बताया कि गुरुवार शाम करीब 5:10 बजे ग्राम थनरा के बंटवारा प्रकरण की सुनवाई चल रही थी। इस दौरान खातेदार रतीराम, मनीराम, मातादीन और मातादीन के पुत्र कमलकिशोर (रिटायर्ड फौजी) व चनश्याम सहित अन्य लोग कक्ष में उपस्थित थे पत्नी, बच्ची और सरकारी दस्तावेजों

पर छिड़क दिया पेट्रोल शिकायत के मुताबिक, सुनवाई के दौरान कमलकिशोर और चनश्याम ने नायब तहसीलदार पर गंभीर आरोप लगाते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी और आग लगाकर आत्महत्या करने की धमकी देने लगे विवाद इतना बढ़ गया कि चनश्याम ने अपने थैले में रखे डिब्बे से पेट्रोल निकाला और खुद पर अपनी पत्नी पर और छोटी बच्ची पर उड़ेल दिया। इतना ही नहीं उसने टेबल पर रखे महत्वपूर्ण शासकीय दस्तावेजों पर भी पेट्रोल छिड़क दिया माचिस जलाते ही लोगों ने

छीनी, टला बड़ा हादसा पेट्रोल डालने के बाद जैसे ही चनश्याम ने माचिस निकालकर आग लगाने की कोशिश की मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए उसके हाथ से माचिस छीन ली इस तत्परता से एक बहुत बड़ा और जानलेवा हादसा टल गया घटना के समय कक्ष में नायब तहसीलदार अशोक श्रीवास्तव, पटवारी भानु जाटव, संतोष रावत, सूरजभानु यादव और देवीसिंह यादव भी मौजूद थे करैरा थाना पुलिस ने इस पूरी घटना को बेहद गंभीरता से लिया है। इस कृत्य को शासकीय कार्य में बाधा डालने और जानलेवा हस्तक्षेप मानते हुए पुलिस ने रिटायर्ड फौजी कमल किशोर पाठक और उसके भाई चनश्याम पाठक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 132, 296(ए) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' पर विरोध यादव समाज ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। 'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म को लेकर सर्व यादव समाज ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। समाज ने फिल्म के शीर्षक और कथानक पर आपत्ति जताते हुए इसे समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाला बताया है समाज के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर फिल्म पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि फिल्म का नाम और इसकी कहानी समाज की सामाजिक छवि को गलत तरीके से प्रस्तुत कर रही है जिससे क्षेत्र में धार्मिक और जातीय सद्भाव प्रभावित हो सकता है सर्व यादव समाज के

जिलाध्यक्ष सरजू यादव ने कहा कि समाज किसी भी रचनात्मक अभिव्यक्ति के खिलाफ नहीं है, लेकिन यदि किसी समुदाय विशेष को गलत तरीके से दिखाया जाता है तो यह स्वीकार्य नहीं है पूर्व पार्षद रमेश यादव ने भी प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है इस विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म के शीर्षक पर प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया है अदालत ने स्पष्ट किया है कि केवल नाम के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि किसी समुदाय की छवि को गलत तरीके से प्रस्तुत कर रही है जिससे क्षेत्र में धार्मिक और जातीय सद्भाव प्रभावित हो सकता है सर्व यादव समाज के

टीआई की कॉलर पकड़ने वाले आरोपी का जुलूस: लगवाया नारा अपराध करना पाप है पुलिस हमारा बाप है

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले (देहात थाना क्षेत्र) में पुलिस ने एक टीआई (टाउन इंस्पेक्टर) के साथ गाली-गलौज करने और उनकी कॉलर पकड़ने वाले आरोपी का शुरुवार को जुलूस निकाला। आरोपी को मुख्य बाजार से पैदल ले जाया गया जहां वह 'अपराध करना पाप है पुलिस हमारा बाप है' के नारे लगाता हुआ नजर आया पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है गुरुवार दोपहर पर शारदा सॉल्वेंट के पास एक तेज रफतार ट्रक ने एक ऑटो को पीछे से टक्कर मार दी थी इस हादसे में ऑटो पलट गया और उसमें सवार 5 लोग घायल हो गए हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, लेकिन वहां मौजूद आक्रोशित लोगों ने ट्रक के हेलपर विकास धाकड़ को पकड़ लिया और उसे पीटना शुरू कर



दिया नशे की हालत में ट्रक हेलपर ने टीआई को गाली देने के साथ कॉलर पकड़ ली उसी रास्ते से ड्यूटी पर जा रहे निरीक्षक (टीआई) रवि शंकर कौशल ने भीड़ को रोककर बीच-बचाव किया और हेलपर विकास धाकड़ की जान बचाई पुलिस के अनुसार, आरोपी नशे की हालत में था। मदद के बदले उसने टीआई के साथ ही गाली-गलौज शुरू कर दी और हाथपाई करते हुए उनकी कॉलर पकड़ ली इस बदसलूकी के बावजूद टीआई कौशल ने संयम बरता और सबसे पहले कोलारस निवासी मुकेश

नामदेव सहित सभी 5 घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया रात देहात थाना प्रभारी विकास यादव ने टीआई रवि शंकर कौशल की शिकायत पर आरोपी विकास धाकड़ के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, गाली-गलौज और मारपीट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया।

फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' पर विरोध यादव समाज ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। 'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म को लेकर सर्व यादव समाज ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है समाज ने फिल्म के शीर्षक और कथानक पर आपत्ति जताते हुए इसे समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाला बताया है समाज के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर फिल्म पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की है ज्ञापन में कहा गया है कि फिल्म का नाम और इसकी कहानी समाज की सामाजिक छवि को गलत तरीके से प्रस्तुत कर रही है जिससे क्षेत्र में धार्मिक और जातीय सद्भाव प्रभावित हो सकता है सर्व

यादव समाज के जिलाध्यक्ष सरजू यादव ने कहा कि समाज किसी भी रचनात्मक अभिव्यक्ति के खिलाफ नहीं है, लेकिन यदि किसी समुदाय विशेष को गलत तरीके से दिखाया जाता है तो यह स्वीकार्य नहीं है पूर्व पार्षद रमेश यादव ने भी प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है इस विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म के शीर्षक पर प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया है अदालत ने स्पष्ट किया है कि केवल नाम के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि किसी समुदाय की छवि खराब हो रही है फिलहाल इस मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।

कांग्रेस नेताओं ने ही जनपद, उपाध्यक्ष पर करवाई थी फायरिंग पूर्व सरपंच, रिश्तेदार को गोली लगी

मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। राजनीतिक वर्चस्व और जमीन विजनेस की लड़ाई के चलते कांग्रेस नेता नीतेश सिंह पर गोली चलाई गई थी जिसमें पूर्व सरपंच चंद्रकांत सिंह के हाथ और एक रिश्तेदार राजकुमार सिंह उर्फ 'राजू सिंह' के पैर पर 2 गोलियां लगीं थी इस मामले में कांग्रेस नेता नागेंद्र राय और टाकेश्वर पाटले अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं मस्तुरी पुलिस और ने उनकी तलाश के कई प्रयास किए लेकिन सफलता नहीं मिली ऐसे में स्थिति को देखते हुए स्क्व रजनेश सिंह ने दोहरे आरोपियों पर 5-5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है बता दें कि इस घटना को मास्टरमाइंड विश्वजीत को टाकेश्वर पाटले ने शूटर्स को देने के लिए 1 लाख रुपए उपलब्ध कराए जबकि नागेंद्र राय भी हत्या की प्लानिंग में शामिल रहा इसी आधार पर पुलिस दोनों



आरोपियों की तलाश कर रही है हालांकि, टाकेश्वर और नागेंद्र राय पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं मस्तुरी पुलिस और ने उनकी तलाश के कई प्रयास किए लेकिन सफलता नहीं मिली ऐसे में स्थिति को देखते हुए स्क्व रजनेश सिंह ने दोहरे आरोपियों पर 5-5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है बता दें कि इस घटना को मास्टरमाइंड विश्वजीत को टाकेश्वर पाटले ने शूटर्स को देने के लिए 1 लाख रुपए उपलब्ध कराए जबकि नागेंद्र राय भी हत्या की प्लानिंग में शामिल रहा इसी आधार पर पुलिस दोनों

नीतेश ने अपने लाइसेंस पिस्टल से रिटर्न फायर किया तो शूटर भाग निकले मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी इसके बाद घायल चंद्रकांत सिंह (55) और राजू सिंह (45) को अगल-अगली अस्पताल ले जाया गया घटना के बाद मौके पर पहुंची थी पुलिस मामले की जांच के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी विश्वजीत अनंत सहित 9 लोगों को गिरफ्तार किया है कांग्रेस नेता अकबर खान समेत सभी नौ आरोपी फिलहाल जेल में हैं।

14 वर्ष की बालिकाओं के लिए निःशुल्क शिक्षकों को दी गई विशेष जानकारी, जागरूकता दूत बनेंगे शिक्षक

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। ह्यूमन पैपिलोमा वायरस टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा विकासखंड में शिक्षकों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संपन्न हुआ जिसमें शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग ने मिलकर बालिकाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए साझा रणनीति बनाई कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी



डॉ. अविनाश खरे तथा खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. के. रमन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया अधिकारियों ने

शिक्षकों को अभियान की रूपरेखा, लक्षित आयु वर्ग एवं टीकाकरण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी कार्यक्रम में



बीपीएम सुलेमान खान ने सर्वाइकल कैंसर की गंभीरता और इसके बढ़ते मामलों पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि

सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक है जिसका मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण है।

खड़गावां बनेगा जिले का प्रमुख केंद्र, 14 वर्ष तक की बालिकाओं को मिलेगा निःशुल्क टीका

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। देशभर में सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ 28 फरवरी 2026 को राजस्थान के अजमेर से किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रातः 11:30 बजे से 11:45 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस अभियान की औपचारिक शुरुआत करेंगे इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु

देव साय, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे इस अभियान का राज्य स्तरीय कार्यक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गावां, जिला (एमसीबी) में आयोजित किया जाएगा। जिले में खड़गावां को प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जहां से स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल अभियान की औपचारिक शुरुआत करेंगे कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से तैयार एचपीवी टीकाकरण

जागरूकता वीडियो का क्लिकर के माध्यम से विमोचन किया जाएगा तथा अस्थायी टीकाकरण केंद्रों को जूम वेब लिंक के जरिए ऑनलाइन जोड़ा जाएगा जिससे कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुनिश्चित हो सके यह अभियान विशेष रूप से 14 वर्ष आयु वर्ग की उन किशोरी बालिकाओं के लिए है जिन्होंने अभी 15वां जन्मदिवस पूर्ण नहीं किया है चयनित बालिकाओं को कोल्ड चैन व्हाईट पर लाकर निःशुल्क एचपीवी टीका लगाया जाएगा।

विदिशा में विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान



मीडिया ऑडिटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के माला गांव में शुक्रवार सुबह एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 24 वर्षीय मुतका की पहचान सिमरन अहिरवार के रूप में हुई है, जिसकी शादी लगभग एक वर्ष पहले बलवंत अहिरवार से हुई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 9 से 10 बजे के बीच हुई। सिमरन को घर में फंदे पर लटका पाया गया। घबराए परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुलाबगंज ले गए। गुलाबगंज में प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल विदिशा रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने किया मर्ग कायम : जिला अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि महिला को अस्पताल लाए जाने तक उसकी मौत हो चुकी थी। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, जिससे मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। मामले की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। चूँकि विवाह को केवल एक वर्ष हुआ था, पुलिस देह प्रताड़ना सहित अन्य सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है। परिजनों और सरगुल पक्ष के बयान दर्ज किए जा रहे हैं, और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खरगोन में ढोल-ताशा वादक ने की आत्महत्या

मीडिया ऑडिटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के लक्ष्मी नगर क्षेत्र में एक ढोल ताशा संचालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 32 वर्षीय अंकित उर्फ कुंदन पांजरे निवासी कालाखेत, लक्ष्मीनगर के रूप में हुई है। परिजनों ने स्थानीय बजाज फाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों पर लोन की किस्त चुकाने के लिए लगातार दबाव बनाने का आरोप लगाया है, जिसके कारण अंकित ने यह कदम उठाया। यह घटना सुबह करीब 11:30 बजे हुई। अंकित को एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि घटना से कुछ देर पहले भी किस्त भरने के लिए फाइनेंस कंपनी से फोन आया था।

भाई ने कहा-50 हजार का लोन लिया था : मृतक के भाई विक्की पांजरे ने जानकारी दी कि अंकित ने बजाज फाइनेंस से 50 हजार रुपए का लोन लिया था। वह पिछले तीन माह से इसकी किस्त नहीं चुका पा रहा था। फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी लगातार फोन कर रहे थे और पेनल्टी भरने का दबाव बना रहे थे। विक्की के अनुसार, अंकित ने पहले भी आत्महत्या करने की धमकी दी थी। बाद में छोटे भाई मनीष ने घर में साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाने की सूचना दी। परिजनों ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अस्पताल पुलिस के अनुसार, कुंदन को मृत अवस्था में जिला अस्पताल लाया गया था। उसके शव को पोस्टमार्टम करा लिया गया है। अस्पताल चौकी आरक्षक गटाराम सोलंकी ने बताया कि परिजनों के आरोप के संबंध में कोतवाली पुलिस नियमानुसार बयान दर्ज कर जांच करेगी। पोस्टमार्टम के बाद शव को जिला अस्पताल के फ्रीजर में रखवा दिया गया है। संभवतः शनिवार को सभी परिजनों के पहुंचने पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। अंकित ढोल ताशा बजाने के अलावा मजदूरी भी करता था। उसके परिवार में बुजुर्ग मां मान मायाबाई, पत्नी मधु, 8 साल की बेटी माही (तोसरी कक्षा में) और 6 साल का बेटा लक्ष्य (पहली कक्षा में) शामिल हैं।

एमपी के बोटमैन हुए हाईटेक:मढ़ई में ली जीवन रक्षा और बोट सुधारने की ट्रेनिंग



मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश वन विभाग में पदस्थ बोटमैन (नाविक) अब और भी हाईटेक हो गए हैं। मध्य प्रदेश ईको टूरिज्म बोर्ड द्वारा नर्मदापुरम के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (मढ़ई) में 10 दिवसीय प्रवेशस्तरीय मोटर बोट चालन एवं मरम्मत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस ट्रेनिंग में बोटमैन को नाव चलाने के साथ-साथ आपात स्थिति में लोगों की जान बचाने के अहम गुर भी सिखाए गए हैं।

गोवा के एक्सपर्ट ने दी विशेष ट्रेनिंग : इस विशेष प्रशिक्षण के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वाटर स्पोर्ट्स (ह्यूड्रस्) गोवा से एक्सपर्ट मदन मोहन राव को आमंत्रित किया गया था। क्षेत्र संचालक राखी नंदा ने बताया कि गोवा का यह संस्थान देश का एकमात्र सरकारी वाटर स्पोर्ट इंस्टीट्यूट है। देश भर के सरकारी संस्थानों में बोटमैन को इसी इंस्टीट्यूट के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग दी जाती है।

10 दिवसीय प्रशिक्षण में 24 वनकर्मी हुए शामिल : इस 10 दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से कुल 24 वनकर्मियों ने हिस्सा लिया... नरसिंहपुर, मुरेना, खंडवा, सीधी, पायली और गांधीसागर अभ्यारण्य से 16 प्रशिक्षणार्थी शामिल हुए। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से 8 वनकर्मियों ने यह विशेष ट्रेनिंग प्राप्त की।

सिखाए गए ये अहम कौशल : रेंजर विलास डोंगरे के अनुसार, इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को कई महत्वपूर्ण तकनीकी और जीवन रक्षक कौशल सिखाए गए... मोटर बोट का सुरक्षित चालन।

सागर में तीन भाइयों पर धारदार हथियार से हमला

मीडिया ऑडिटर, सागर (निप्र)।

सागर के मोतीनगर थाना क्षेत्र स्थित लक्ष्मीनारायण वाटिका के पास गुरुवार रात करीब 11 बजे लक्ष्मीनारायण वाटिका के पास जाम के दौरान तीन भाइयों के साथ धारदार हथियार और लात-घुसों से मारपीट की गई, जिसमें वे घायल हो गए और पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी सूरज पिता चंद्रकुमार सुखवानी, निवासी गुरुनानक कॉलोनी सिंधी कैंप, ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि घर में खाना नहीं बना था, इसलिए वह अपने भाई अजय सुखवानी और शाहिल सुखवानी के साथ होटल में खाना खाने गए थे।

स्कूटी से लौटते समय लगा जाम : खाना खाकर तीनों भाई रात करीब 11 बजे स्कूटी से घर लौट रहे थे। लक्ष्मीनारायण वाटिका के पास उस समय एक बारात निकल रही थी,



जिससे सड़क पर जाम की स्थिति बन गई थी। तीनों भाई जाम में खड़े थे, तभी पीछे से कुछ युवक आए और बिना बात के विवाद करने लगे।

स्कूटी की चाबी निकाली, गाली-गलौज शुरू : शिकायत के मुताबिक युवकों ने स्कूटी की चाबी निकाल ली और गाली-गलौज करने

लगे।

जब तीनों भाइयों ने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और लात-घुसों से हमला किया गया।

कटर से किया हमला, तीनों घायल : सूरज ने बताया कि मारपीट के दौरान एक आरोपी ने कटर से हमला किया। इस हमले में अजय, शाहिल और सूरज तीनों को चोटें आईं।

घटना देख आसपास मौजूद लोगों ने बीचबचाव किया, तब जाकर मामला शांत हुआ। इसके बाद घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

शराब के लिए पैसों की मांग का आरोप : अस्पताल में भर्ती सूरज सुखवानी ने बताया कि हमला करने वाले युवक शराब पीने के लिए पैसे मांग रहे थे। पैसे देने से इनकार करने पर उन्होंने तीनों भाइयों के साथ मारपीट

की।

उन्होंने कहा कि मामले में थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है और पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

दो नामजद आरोपियों पर केस दर्ज : मोतीनगर पुलिस ने शिकायत के आधार पर शुभम जैन और अशित जैन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इलाके में तनाव का माहौल : घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि जाम के दौरान इस तरह की घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बच्चा चोरी के शक में महिलाओं को भीड़ ने घेरा, खंडवा में फेरी लगाकर सामान बेचती थी

हरसूद पुलिस ने जांच के बाद छोड़ा



मीडिया ऑडिटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले में इन दिनों बच्चा चोरी की अफवाहों के चलते बाहर से आए लोगों को रोककर पूछताछ और मारपीट की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। हालांकि अब तक पूरे जिले में बच्चा चोरी का एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ है। इसके बावजूद अफवाहों के आधार पर लोग कानून अपने हाथ में ले रहे हैं। ताजा मामला खंडवा जिले के हरसूद थानाक्षेत्र का है। गुरुवार को पुनर्वास स्थल स्थित कृषि उच्च मंडी के पास जबलपुर क्षेत्र से आई चार महिलाएं फेरी लगाकर अटैची और अन्य सामान बेच रही थीं। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन पर बच्चा चोरी की आशंका जताते हुए घेर लिया और पूछताछ

शुरू कर दी। देखते ही देखते मौके पर भीड़ जमा हो गई और कई लोग वीडियो बनाने लगे। भीड़ से घबराई दो महिलाएं किसी तरह वहां से निकल गईं, जबकि दो महिलाओं को लोगों ने घेरकर रखा और बाद में उन्हें हरसूद थाने ले जाया गया। जहां पुलिस ने पूछताछ और सत्यापन के बाद महिलाओं

को छोड़ दिया। पुलिस ने कहा, बिना किसी ठोस आधार के किसी व्यक्ति को पकड़ना या मारपीट करना गलत है।

यदि किसी को बच्चे को ले जाते हुए संदिग्ध स्थिति दिखाई दे तो तत्काल पुलिस को सूचना दे। इधर, हरसूद टीआई राजकुमार राठौर ने बताया कि महिलाएं

जबलपुर की रहने वाली हैं और पिछले दो दिनों से हरसूद क्षेत्र में फेरी लगाकर सामान बेच रही थीं। वे यहां डेरा डालकर रह रही थीं और इसकी सूचना पहले से थाने में दर्ज थी। लोगों ने बच्चा चोरी की शंका में उन्हें थाने पहुंचाया था, लेकिन जांच में किसी तरह का अपराधिक तथ्य सामने नहीं आया। कानून अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अफवाहों के मद्देनजर लोगों में शक बढ़ा : गौरतलब है कि, बीते दिनों एक मानसिक रूप से दिव्यांग महिला को भी बच्चा चोरी की अफवाह के चलते लोगों ने पकड़ लिया था। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में बच्चा चोरी की कोई घटना दर्ज नहीं है और भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है।

7 साल की बच्ची का चेहरा पटाखे से झुलसा, सड़क पर पड़े पटाखे से खेलते समय हादसा



मीडिया ऑडिटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के गुलगाँव थाना क्षेत्र में एक लावारिस पटाखा फटने से 7 वर्षीय बच्ची आमत गंभीर रूप से घायल हो गई। बच्ची अपने घर के पास खेल रही थी, तभी सड़क पर मिले एक पटाखे को जलाने पर वह उसके चेहरे के पास फट गया, जिससे उसका चेहरा बुरी तरह झुलस गया। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में

भर्ती कराया गया है, जहां उसका ऑपरेशन जारी है और फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार, आयत अन्य बच्चों के साथ अपने घर के पास खेल रही थी। इसी दौरान बच्चों को सड़क पर पड़ा एक लावारिस पटाखा मिल गया। बच्चों ने खेल-खेल में उस पड़े हुए पटाखे को जला दिया। पटाखे में आग लगाते ही अचानक एक

तेज विस्फोट हुआ और पटाखा सीधे आयत के चेहरे के पास फट गया। इस धमाके से उसके चेहरे पर गंभीर चोटें आईं और खून बहने लगा। अचानक हुए इस ब्लास्ट और बच्ची को लहलुहान देखकर मौके पर अफरा-तफरी मच गई। माता-पिता लेकर पहुंचे अस्पताल, डॉक्टरों ने शुरू किया इलाज घटना के तुरंत बाद बच्ची के माता-पिता (असलम और सलमा) उसे आनन-फानन में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद आयत को सीधे ऑपरेशन थिएटर में शिफ्ट कर दिया। चिकित्सकों ने बताया कि बच्ची के चेहरे पर गहरे घाव हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है। फिलहाल उसकी हालत स्थिर और नियंत्रण में है। शादी-विवाह की आतिशबाजी बन रही हादसों का कारण अक्सर शादी-विवाह या अन्य आयोजनों में आतिशबाजी के दौरान कई पटाखे जल नहीं पाते और सड़क पर ही पड़े रह जाते हैं।

पिपरिया में महिला ने छात्र को खिलाई नशीली टॉफी

परिचित ने पहुंचाया

अस्पताल, शिकायत दर्ज

मीडिया ऑडिटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया में ट्यूशन से लौट रहे 13 साल के छात्र को एक महिला ने नशीली टॉफी खिला दी, जिससे वह बेहोश हो गया। छात्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के बाद उसकी हालत स्थिर है। परिजनों ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। घटना गुरुवार रात की है। छात्र राजा, पिपरिया के निवासी हैं, गिल मैडम के यहां ट्यूशन पढ़कर घर लौट रहा था। पालीवाल ड्रीम सिटी के पास एक साड़ी पहने महिला ने उसे टॉफी खाने को दी। राजा ने मना किया, लेकिन महिला ने जबरन उसके मुंह में टॉफी डाल दी। इसके बाद राजा को चक्कर आने लगे और वह बेहोश हो गया।

परिचित ने राजा को सड़क पर ब्रेसुध पड़ा देखा : संयोग से, एक परिचित ने राजा को



मीडिया ऑडिटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर के निबोला थाना क्षेत्र के ग्राम बसाड़ में शुक्रवार सुबह एक पिता ने अपने बेटे को चाकू मारकर घायल कर दिया। इस घटना में बेटे के सीने में गंभीर चोट आई है। घायल युवक को जिला अस्पताल बुरहानपुर में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 11:30 बजे हुई। बसाड़ निवासी 30 वर्षीय सूरज को उसके पिता (राजेंद्र सिंह) ने आपसी विवाद के चलते चाकू मार दिया। विवाद के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। घटना की सूचना मिलने पर निबोला थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची।



सड़क पर ब्रेसुध पड़ा देखा और तुरंत उसके परिजनों को सूचित किया। परिजन राजा को पिपरिया के सरकारी अस्पताल ले गए। अस्पताल स्टाफ के अनुसार, रात करीब 9 बजे राजा को उल्टी हो रही थी और उसे झिंझ लगाई गई थी। कुछ देर इलाज के बाद उसकी हालत में सुधार हुआ और परिजन उसे घर ले गए।

परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई : स्टेशन रोड थाने के हवलदार मोहन सिंह उर्फ केने ने बताया कि गुरुवार शाम

राजा के नाम से एक शिकायत आवेदन प्राप्त हुआ है, जिसे जांच में लिया गया है। एसडीपीओ मोहित यादव ने बताया आवेदन की जांच की जाएगी और घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाएंगे। नगर में पिछले कुछ समय से बच्चा चोर गिरोहों की अफवाहें चल रही हैं। हालांकि, इन अफवाहों की कोई पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई थी। पुलिस को इसकी थारीकी से तफतीश कर सच उजागर करना चाहिए।

सिंगरौली में सड़क नहीं होने से लड़कियों की शादियां टूटी लोग बोले- एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंचती



मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले की सूहिया अभिलिया ग्राम पंचायत के लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। यहां के गोदरी खोली मोहल्ले में सड़क होने का खामियाजा अब गांव की बेटियों को भुगतना पड़ रहा है। रास्ते की खराब हालत और कीचड़ की वजह से यहां अब तक कई लड़कियों की शादियां टूट चुकी हैं। ग्रामीण लहुरमन ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि जैसे ही रिश्तेदारों को गांव के खराब रास्ते और कीचड़ के बारे में पता चलता है, वे शादी से पीछे हट जाते हैं। कई बार तो बारात आने से ठीक पहले ही लोग रास्ता देखकर इनकार कर देते हैं। सड़क न होने से गांव की बदनामी हो रही है और परिवारों के सामने बेटियों के हाथ पीले करना चुनौती बन गया है।

खाट पर मरीज और एंबुलेंस का इंतजार : ग्रामीणों की समस्या सिर्फ शादियों तक सीमित नहीं है। कलावाली नाम की महिला ने बताया कि बारिश में



हालात और भी बदतर हो जाते हैं। छिलीवरी के समय एंबुलेंस गांव तक नहीं आ पाती, जिसकी वजह से गर्भवती महिलाओं को खाट पर लिटाकर कीचड़ भरे रास्तों से मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है। समय पर इलाज न मिलने से कई ग्रामीण अपनी जान भी गांव चुके हैं।

दो करोड़ का बजट, पर सड़क नहीं और बनी : हैरानी की बात यह है कि इस मोहल्ले की 3.50 किलोमीटर सड़क के

लिए करीब दो करोड़ रुपए मंजूर हुए थे। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार विपिन सिंह ने तय जगह पर सड़क न बनाकर उसे पंचायत के दूसरे हिस्से में बनवा दिया। वन विभाग की जमीन पर काम करने की कोशिश में विभाग ने ठेकेदार की जेसीबी भी जब्त की थी।

जांच के बाद होगी कार्रवाई : पीडब्ल्यूडी के ईई एसबी सिंह कर्चुली का कहना है कि सड़क निर्माण में गड़बड़ी की शिकायत कलेक्टर ऑफिस में मिली है। उन्होंने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

इंदौर में छत से गिरकर युवती घायल, युवक पर पहली मंजिल से धक्का देने का आरोप

मीडिया ऑडिटर, इंदौर (निप्र)। इंदौर के खजराना क्षेत्र में गुरुवार अलसुबह एक युवती पहली मंजिल की छत से गिरकर घायल हो गईं। उसे उपचार के लिए नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में खजराना पुलिस ने युवती और उसके परिजनों के बयान दर्ज कर आरोपी अनिकेत के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के अनुसार युवती को उसके परिचित युवक अनिकेत उर्फ टिककी ने फोन कर छत पर मिलने के लिए बुलाया था। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पहले से जान-पहचान थी।

रायसेन पुलिस ने 57 स्थाई वारंटी गिरफ्तार किए



मीडिया ऑडिटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन पुलिस ने आगामी त्योहारों के मद्देनजर एक सघन कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। इस दौरान 57 स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया गया और 77 गिरफ्तारी वारंटों की तामील की गई। अभियान में 300 से अधिक पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे। यह अभियान पुलिस अधीक्षक आशुतोष प्ला के निर्देश में चलाया गया। समस्त एसडीओपी के थातावार टीमों गठित की गईं। इन टीमों ने स्थाई

और फरार वारंटियों की धरपकड़ के साथ-साथ आदतन अपराधियों, गुंडा, जिला बदर बदमाशों और अन्य आपराधिक लोगों की निगरानी की। अभियान का उद्देश्य जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखना और अपराधियों पर नकेल कसना था। कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस ने 250 से अधिक हिस्ट्रीशीटर और इनामी बदमाशों की रात में चेंकिंग की। उन्हें आपराधिक और असामाजिक गतिविधियों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी गई।

मियोमिर केकमानोविच ने ज्वेरेव को चौकाया मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचे

अकापुल्को (मेक्सिको), एजेंसी। मियोमिर केकमानोविच ने दुनिया के नंबर 4 अलेक्जेंडर ज्वेरेव को तीन सेट के रोमांचक मुकाबले में चौका दिया और अपनी पहली टॉप 5 जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही वह मेक्सिको के अकापुल्को में एबीएटो मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए। दुनिया में 84वें नंबर पर काबिज 26 साल के सर्बियाई खिलाड़ी ने ढाई घंटे से ज्यादा चले कड़े मुकाबले में 2021 के चैंपियन को 6-3, 6-7(3), 7-6(4) से हराया। केकमानोविच, जो टॉप 5 विरोधियों के खिलाफ अपने पिछले सभी 11 मैच हार चुके थे, ने अपने करियर के सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक दिया, और यादगार जीत पक्की करने के लिए निर्णायक टाई-ब्रेक में अपना धैर्य बनाए रखा। मैच के बाद केकमानोविच ने कहा, 'यह बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि पिछले कुछ साल मुश्किल रहे हैं। इसलिए मैं खुश हूँ कि आखिरकार कुछ चीजें मेरे हिसाब से हो रही हैं। उन्होंने खास मौकों पर अग्रिम तौर से खेला और असरदार

सर्व किया, जबकि ज्वेरेव अपने बैकहैंड पर कंसिस्टेंसी के लिए जुद्ध रहे, उन्होंने 17 अनफोस्टलतियां कीं, जबकि केकमानोविच ने छह गलतियां कीं।

इस जीत के साथ, केकमानोविच ने जर्मन खिलाड़ी के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-2 से बराबर कर लिया और एटीपी 500 इवेंट के आखिरी आठ में पहुंच गए, जहां उनका सामना फ्रांस के टेरेंस एटमाने से होगा, जिन्होंने राफेल जोडर को 6-2, 4-6, 6-1 से हराया।

दूसरे मैचों में पांचवीं सीड फ्लोवियो कोबोली ने डालिवोर स्वर्सिना को 6-4, 6-4 से हराया और अब उनका अगला मैच चीन के वू विंगिंग से होगा जिन्होंने जापान के शो शिमाबुकुरो को 6-3, 7-6(4) से हराया। इस बीच अमेरिकन ब्रैंडन नाकाशिमा ने अपने ही देश के पैट्रिक किप्सन को 6-4, 6-4 से हराकर अपनी 100वीं टूर-लेवल हाउ-कोर्ट जीत दर्ज की। किप्सन ने इससे पहले पिछले राउंड में दूसरे सीड एलेक्स डी मिनौर को चौका दिया था।



टी20 वर्ल्ड कप: कप्तान मार्करम ने खेती धमाकेदार पारी

साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से रौंदा



अहमदाबाद, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को एकतरफा मुकाबले में 9 विकेट से रौंदा। गुरुवार को नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज से मिले 177 रनों के लक्ष्य को साउथ अफ्रीका ने सिर्फ एक विकेट खोकर 16.1 ओवर में हासिल कर लिया। वेस्टइंडीज से मिले 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम को कप्तान एडेन मार्करम और क्विंटन डी कॉक ने तुफानी शुरुआत दी। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने मिलकर पहले विकेट के लिए सिर्फ 48 गेंदों में 95 रन जोड़े। डी

कॉक 24 गेंदों में 47 रनों की दमदार पारी खेलने के बाद रोस्टन चेज का शिकार बने। हालांकि, इसके बाद मार्करम को रयान रिक्लेटन के रूप में एक और अच्छा जोड़ीदार मिला। रिक्लेटन-मार्करम ने दूसरे विकेट के लिए 49 गेंदों में 82 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। मार्करम 46 गेंदों में 82 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि रिक्लेटन ने 28 गेंदों में 45 रन बनाए और टीम को जीत दिलाकर लौटे। मार्करम ने अपनी धमाकेदार पारी में 7 चौके और 4 छक्के लगाए। वेस्टइंडीज की तरफ से एकमात्र विकेट रोस्टन चेज ने लिया।

इससे पहले वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 176 रन लगाए। टीम की तरफ से रोमारियो शेफर्ड ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 37 गेंदों में 52 रनों की नाबाद पारी खेली। वहीं, जसन होल्डर ने 31 गेंदों में 49 रन बनाए। हालांकि, होल्डर-शेफर्ड के अलावा टीम के अन्य बल्लेबाज रनों के लिए संघर्ष करते हुए नजर आए।

कप्तान शाई होप 6 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुए, जबकि ब्रैंडन किंग ने 21 रनों का योगदान दिया। टूर्नामेंट में लगातार रन बना रहे शिमरोन हेतमायर को महज 2 रनों के स्कोर पर कगिसो रबाडा ने पवेलियन भेजा।

रोवमैन पवेलि भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 9 रन ही बना सके। रोस्टन चेज 2 रन बनाकर आउट हुए, जबकि शेरेफन रदरफोर्ड 12 रन बनाकर कॉर्बिन बोश का शिकार बने। एक समय पर वेस्टइंडीज 83 के स्कोर पर 7 विकेट गंवाकर मुश्किल में दिख रही थी। हालांकि, होल्डर और शेफर्ड ने 89 रनों की अहम साझेदारी निभाई, जिसके बूते कैरेबियाई टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में सफल रही।

साउथ अफ्रीका की तरफ से गेंदबाजी में लुंगी एनगिडी ने 4 ओवर में महज 30 रन खर्च करते हुए 3 विकेट निकाले। वहीं, कगिसो रबाडा और कॉर्बिन बोश ने दो-दो विकेट चटकए। साउथ अफ्रीका की यह सुपर-8 राउंड में लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले टीम ने भारत को 76 रनों से हराया था।

साउथ अफ्रीका सुपर-8 ग्रुप एक में पहले स्थान पर पहुंच गई है और टीम का नेट रन रेट +2.890 हो गया है। साउथ अफ्रीका की बड़ी जीत से टीम इंडिया को भी फायदा पहुंचा है। भारतीय टीम को अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अपने बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे। वेस्टइंडीज की करारी हार के बाद नेट रन रेट का दबाव सूर्या की सेना के ऊपर से हट गया है।

तिलक वर्मा ने 275 की स्ट्राइक रेट से रन बनाकर हार्दिक पंड्या को छोड़ा पीछे, युवराज अब भी पहले नंबर पर काबिज

अहमदाबाद, एजेंसी। जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर 8 मुकाबले में भारत को 76 रन से जीत मिली और भारत की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद कायम है। जिम्बाब्वे के खिलाफ इस मैच में तिलक वर्मा को बैटिंग के लिए छठे नंबर पर भेजा गया था और उन्होंने कमाल की पारी खेली। तीसरे नंबर पर तिलक जो कमाल अब तक नहीं कर पाए थे वो कमाल उन्होंने छठे नंबर पर कर दिया। तिलक ने अपनी पारी के दम पर हार्दिक पंड्या का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा।

तिलक वर्मा ने हार्दिक पंड्या को पीछे छोड़ा

तिलक वर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 16 गेंदों पर 44 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 4 छक्के और 3 चौके भी जड़े। तिलक का स्ट्राइक रेट

इस दौरान 275.00 का रहा। इस स्ट्राइक रेट से रन बनाकर उन्होंने हार्दिक पंड्या को पीछे छोड़ दिया।

तिलक वर्मा अब टी20 वर्ल्ड कप के एक मैच में सबसे ज्यादा की स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले भारतीय बैटर्स की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए। उन्होंने हार्दिक पंड्या को पीछे छोड़ा जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 269.23 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। इस लिस्ट में युवराज सिंह अब भी पहले नंबर पर बने हुए हैं।

- 62.50 - युवराज सिंह बनाम इंग्लैंड (16 गेंदों पर 58 रन)
- 275.00 - तिलक वर्मा बनाम जिम्बाब्वे (16 गेंदों पर 44* रन)
- 269.23 - हार्दिक पंड्या बनाम अफगानिस्तान (13 गेंदों पर 35* रन)
- 263.15 - केएल राहुल बनाम स्कॉटलैंड (19 गेंदों पर 50 रन)

जिबावे पर भारत की 72 रन से जीत

टी20 वर्ल्ड कप: साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल का टिकट मिला

चेन्नई, एजेंसी। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मैच में 72 रन से शानदार जीत दर्ज की। इसी के साथ टीम इंडिया ने अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखते हुए साउथ अफ्रीका को नॉकआउट में पहुंचा दिया है।

साउथ अफ्रीका सुपर-8 के दोनों मुकाबले जीतकर +2.890 नेट रन रेट के साथ ग्रुप-1 में टॉप पर है। वहीं, वेस्टइंडीज 2 में से 1 मैच गंवाकर +1.791 के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत 2 में से 1 मैच जीतकर -0.100 के साथ तीसरे पायदान पर है, जबकि जिम्बाब्वे की टीम सुपर-8 में अपने शुरुआती दो मैच गंवाने के बाद खिताबी रेस से बाहर है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय टीम ने 4 विकेट खोकर 256 रन बनाए। भारत को संजू सैमसन और अधिपेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 3.4 ओवरों में 48 रन जुटाए। संजू 15 गेंदों में 3 बरबादों के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद ईशान किशन ने अधिपेक शर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 72 रन की साझेदारी करते हुए भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। ईशान 24 गेंदों में 38 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अधिपेक शर्मा ने 30 गेंदों



में 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 55 रन की पारी खेली। इनके अलावा, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 33 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। भारत ने

14.5 ओवरों में 172 रन तक अपने 4 विकेट गंवा दिए थे। यहां से हार्दिक पंड्या ने तिलक वर्मा के साथ 31 गेंदों में 84 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम



जितने ज्यादा मैच खेलेंगे, उतना ही मैच टेम्परामेंट डवलप होगा

जयपुर, एजेंसी। जयपुर सवाई मान सिंह इंडोर स्टेडियम में गुरुवार को शुरू हुई तीन दिवसीय 20वीं ऑल इंडिया हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप-2025-26 का उद्घाटन युवा मामले एवं खेल तथा उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार व ओलंपिक रजत पदक विजेता कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने किया। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष ललित कुमार कलाल एवं मानद सचिव यश प्रताप सिंह तथा टूर्नामेंट में भाग ले रही प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का स्वागत किया। उद्घाटन के अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल तभी बेहतर होता है, जब खिलाड़ियों को मौका मिले, खिलाड़ी जितने ज्यादा मैच खेलेंगे, उतना ही मैच टेम्परामेंट डवलप होगा। जब आप खेलें तो स्कोर बोर्ड की ओर ना देखें और केवल अपने खेल पर ध्यान दें, सफलता मिली तो अच्छा है, नहीं मिली तो कल जरूर मिलेगी, लेकिन प्रयास कभी भी नहीं छोड़ना चाहिए। हमेशा रेफरी के निर्णय का सम्मान करें। उन्होंने कहा कि जब मैं सेना में था तब मैंने हैंडबॉल भी खेलता था, आज सबके बीच उपस्थित होकर अच्छा लग रहा है। ऐसे खिलाड़ियों के बीच जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि विगत दिनों जब कोचेस से संवाद कर रहा था तो उन्होंने प्रैक्टिस इंडोर हॉल का आवश्यकता जताई थी। इसके लिए हमने एक प्रस्ताव भिजवा दिया है। मुझे उम्मीद है कि मुख्यमंत्री जल्दी ही हैंडबॉल इंडोर प्रैक्टिस हॉल की घोषणा कर सकते हैं। राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि टूर्नामेंट में भाग ले रही प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

गत चैंपियन हिमाचल प्रदेश ने अपना विजयी अभियान शुरू करते हुए पंजाब को 24-19 (19-6) गोलों से हराया। मेजबान राजस्थान ने भी विजयी शुरुवात करते हुए आज अपने दोनों मैचों में जीत दर्ज की। पहले मैच में उन्होंने जहाँ उतर प्रदेश को 19-15 (10-9) से हराया। वहीं दूसरे मैच में सीआईएसएफ को 20-17 (07-07) से हराया।

चैंपियंस लीग पीएसजी ने मोनाको को हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई

पेरिस, एजेंसी। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने यूईएफए चैंपियंस लीग प्ले-ऑफ के दूसरे लेग में एएस मोनाको के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलते हुए कुल 5-4 की बढ़त के साथ अंतिम-16 में जगह बना ली। पेरिस के घरेलू मैदान पार्क डेस प्रिंसेस में खेले गए इस मुकाबले में रोमांच आखिरी मिनिट तक बना रहा। पहले हाफ में मोनाको ने आक्रामक शुरुआत की और हाफ-टाइम से ठीक पहले मैनेस अक्विलउचे के शानदार गोल से बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाफ में मैच का रुख तब बदला जब मोनाको के मामादो क्विलबली को दूसरी पॉला कार्ड मिलने के बाद मैदान छोड़ना पड़ा। दस खिलाड़ियों के साथ खेल रही मेहमान टीम पर दबाव बढ़ गया। इसके बाद पीएसजी के कप्तान मार्किवनहोस ने डेसिरे डूर के क्रॉस पर गोल कर बराबरी दिलाई। कुछ ही मिनिटों में खिखवा क्वारात्सखेलिया ने रिबाउंड पर गोल दागकर टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि, सबस्टीट्यूट जॉर्डन टेजे ने अतिरिक्त समय में गोल कर मुकाबले को फिर रोमांचक बना दिया। अंततः पीएसजी ने बढ़त बचाए रखते हुए अगले दौर में प्रवेश कर लिया।

पीएसजी के कोच लुइस एनरिक ने कहा, 'हम क्वालीफाई करने के लायक थे, लेकिन हमें पूरे समय परेशानी झेलनी पड़ी। अगर कोई एक टीम है जिसे मुश्किलों का सामना करने की आदत है, तो वह हम हैं। हमारा युग सबसे खराब था। हमें काराबाग या मोनाको के खिलाफ खेलना था, और वह बेशक मोनाको था, और अब चेल्सी और बार्सिलोना के बीच, दोनों ही बेहतरीन टीम हैं। हम तैयार हैं, और हमें इस तरह के मैच खेलने की आदत है।' इस बीच, गैलाटसराय ने जूवेंटस की शानदार वापसी को रोक दिया और 7-5 के एग्जीट स्कोर से राउंड ऑफ 16 में जगह पक्की कर ली।

भारतीय गेंदबाजी की कमजोर कड़ी साबित हो रहे शिवम दुबे

T20 वर्ल्ड कप 2026 में 56

गेंद में दे चुके हैं 124 रन

अहमदाबाद, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अब तक भारत के ऑलराउंडर शिवम दुबे ने निचले क्रम पर बल्लेबाजी में जरूर प्रभावित किया है और टीम के लिए उपयोगी पारियां खेली हैं, लेकिन गेंदबाजी के मोर्चे पर वो टीम की सबसे कमजोर कड़ी साबित हो रहे हैं। वह जिस तरह से रन लुटाते हैं और विरोधी बल्लेबाजों पर हावी नहीं हो पाते थे टीम इंडिया के लिए बड़ी परेशानी है।

शिवम दुबे जमकर लुटाते हैं रन - जिम्बाब्वे के खिलाफ हो या फिर साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने अपनी गेंदबाजी स्पेल में जमकर रन लुटाए। हालांकि उन्हें एकाध विकेट मिल भी जाता है, लेकिन इतने रन लुटाकर आप एक विकेट निकाल भी लेते हैं तो इससे टीम को कितना फायदा होता है। टी20 वर्ल्ड कप में अब तक शिवम दुबे की गेंदबाजी बेहद साधारण रही है और ये आंकड़े खुद बोल रहे हैं।

जिबावे के खिलाफ शिवम ने 2 ओवर में 46 रन

जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में शिवम दुबे ने 2 ओवर में 46 रन लुटाए और उन्हें एक विकेट मिला। साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 2 ओवर में 32 रन देकर एक विकेट लिया। नीदरलैंड्स के खिलाफ भी उन्होंने 35 रन लुटाए पर दो सफलता हासिल की। इसके अलावा इस टी20 वर्ल्ड कप में उन्होंने नामीबिया के खिलाफ 11 रन देकर एक विकेट हासिल किया। शिवम दुबे जब गेंदबाजी करते हैं तो ऐसा लगता है कि वो काफी दबाव में हैं। उन्हें गेंदबाजी करता देख ऐसा लगता है जैसे उन्हें जबरदस्ती गेंदबाजी करने को कहा गया है। दुबे दबाव में इस तरह की गेंद फेंकते हैं कि बल्लेबाज उन पर शांत लगते हैं और जब वो बचने की कोशिश करते हैं तो वाइड की झड़ी लगा देते हैं। कहा जा रहा था कि शिवम अपनी गेंदबाजी पर काम कर रहे हैं और उसमें सुधार हुआ है, लेकिन ऐसा लग तो नहीं रहा। टी20 वर्ल्ड कप में शिवम दुबे ने अब तक 6 मैच खेले हैं और इसमें उन्हें 4 मैचों में गेंदबाजी करने का मौका मिला है। इन 4 मैचों में उन्होंने कुल 56 गेंद (9.2 ओवर) फेंकी हैं और इस पर 125 रन दिए हैं जबकि सिर्फ 5 विकेट उन्हें मिले हैं। उनका औसत 24.40 का रहा है जबकि स्ट्राइक रेट 13.28 का रहा है तो वहीं इकॉनमी रेट 11.20 का है।

इंडिया को टी20 वर्ल्ड कप इतिहास के दूसरे सबसे बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

पंड्या ने 23 गेंदों में 4 छक्कों और 2 चौकों के साथ 50 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि तिलक वर्मा ने 16 गेंदों में 4 छक्कों और 3 चौकों के साथ नाबाद 44 रन बनाए। विपक्षी खेमे से रिचर्ड नगरवा, ब्लेसिंग मुजरबानी, टिनोटेंडा मापोसा और सिकंदर रजा ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 6 विकेट खोकर 184 रन ही बना सकी। ब्रायन बेनेट ने तदिवानाशे मारुमानी के साथ पहले विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी की। मारुमानी 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद बेनेट ने डायोन मायर्स के साथ दूसरे विकेट के लिए 28 रन जुटाए। मायर्स टीम के खाते में सिर्फ 6 रन ही जोड़ सके।

यहां से बेनेट ने सिकंदर रजा के साथ तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 72 रन जुटाकर टीम को 144 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन रजा (31) के पवेलियन लौटने के बाद कोई अन्य बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सका। बेनेट अंत तक लड़े, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने 59 गेंदों में 6 छक्कों और 8 चौकों के साथ नाबाद 97 रन बनाए। भारत की तरफ से अशदीप सिंह ने 24 रन देकर 3 विकेट निकाले। वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और शिवम दुबे ने 1-1 विकेट हासिल किया।

रीवा केंद्रीय जेल के गेट पर बाँस की एंटी-एजिट रील!

प्रहरी सोते रहे या सिस्टम हुआ फेल वायरल वीडियो ने उड़ाए सुरक्षा के परखच्चे

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। केंद्रीय जेल से जमानत पर बाहर निकले एक अभियुक्त की स्टायलिश रिहाई अब जेल प्रशासन के गले की फाँस बन गई है। मुख्य द्वार जैसे हाई सिक्मोरिटी जोन पर बनाई गई रील सोशल मीडिया पर वायरल होते ही हड़कंप मच गया। वीडियो में रिहाई मुबारक हो बाँस और रोशन रॉक्स जैसे डायलॉग चमक रहे हैं जबकि बैकग्राउंड में हुकुम का इक्का बाँस गाना बजता सुनाई दे रहा है। सवाल सीधा है क्या जेल का मुख्य द्वार अब रील शूटिंग साइट बन गया है सूत्र बताते हैं कि यह पूरा घटनाक्रम बिछिया थाना क्षेत्र स्थित केंद्रीय जेल के मुख्य



प्रवेश द्वार के पास हुआ। वीडियो में जेल परिसर का हिस्सा साफ नजर आ रहा है। ऐसे में यह चर्चा तेज है कि आखिर इयूटी पर तैनात प्रहरी उस वक्त कहाँ थे? क्या मोबाइल की जांच में चूक



हुई या नियमों को दरकिनार कर रिहाई शो को हरी झंडी दे दी गई जेल सूत्रों का दावा है कि यहाँ कई संगीन मामलों के अभियुक्त और नशीले पदार्थों से जुड़े आरोपी निरुद्ध हैं। ऐसे संवेदनशील स्थान से वीडियो बनाकर उसे सार्वजनिक करना सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। क्या यह सिर्फ एक रील है या सुरक्षा में गहरी संध का संकेत रील के वायरल होते ही जेल

केवल वीडियो पोस्ट करने वाले पर ही कार्रवाई होगी या फिर इयूटी में संभावित लापरवाही बरतने वाले कर्मियों की जिम्मेदारी भी तय होगी शहर में चर्चा है कि यदि मुख्य द्वार जैसी संवेदनशील जगह पर कैमरा चल सकता है, तो अंदर की सुरक्षा कितनी मजबूत है? क्या सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं? क्या उस समय की इयूटी चार्ट सार्वजनिक होगी अब निगाहें जांच पर टिकी हैं। देखना यह है कि मामला महज वायरल रील बनकर रह जाता है या फिर सुरक्षा व्यवस्था की परतें भी खुलेंगी। फिलहाल एक रील ने जेल प्रशासन की नींद जरूर उड़ा दी है।

बोर्ड ऑफ विजिटर्स के सदस्यों द्वारा केंद्रीय जेल का किया गया औचक निरीक्षण



मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। कारागारों में जाति आधारित भेदभाव या इस प्रकार की भेदभावपूर्ण प्रथाओं एवं अन्य परिस्थितियों के संबंध में जेलों का निरीक्षण करने हेतु गठित बोर्ड ऑफ विजिटर्स के सदस्यों द्वारा केंद्रीय जेल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बोर्ड ऑफ विजिटर्स के अध्यक्ष राकेश मोहन प्रधान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, समीर कुमार मिश्रा जे.एम.एफ.सी. एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सदस्यमती प्रतिभा पाल कलेक्टर, मती सपना त्रिपाठी अपर कलेक्टर, शैलेन्द्र सिंह चौहान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रीवा राजीव अग्रवाल अति. पुलिस अधीक्षक अभय मिश्रा जिला विधिक अधिकारी एवं लीगल एड डिफेंस कार्डिनल के उपाध्यक्ष आनन्द पाण्डेय सहित पैरालीगल वालेंटियर तथा बोर्ड ऑफ विजिटर्स के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बोर्ड ऑफ विजिटर्स के सदस्यों द्वारा समस्त बंदी वार्डों जेल अस्पताल, कारखाना महिला वार्ड खाद्यान्न भण्डारण कक्ष समेत अन्य स्थानों का निरीक्षण कर जेल की सुरक्षा एवं बंदियों की उपचार व्यवस्था का अवलोकन किया गया। बंदियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं के बारे में पूंछ गया केंद्रीय जेल में किसी प्रकार का जातिगत भेदभाव नहीं पाया गया।

जनपद सीईओ पर 10 हजार का जुर्माना समय पर आवेदन नहीं निपटाने पर एक्शन, लापरवाही पर कलेक्टर नाराज



मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लोगों के आवेदनों का तय समय-सीमा में निराकरण नहीं करने पर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने गंगे व जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्राची चौबे पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। बिना पर्याप्त कारण के सेवाएं देने में देरी पाए जाने पर यह सख्त कार्रवाई की गई है और सीईओ को तीन दिन के भीतर जुर्माना



पड़े आवेदनों पर समाधानकारी जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद सीईओ की ओर से प्रशासन को कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। बिना उचित कारण के आवेदनों में की गई देरी सीईओ द्वारा जवाब पेश नहीं करने के बाद जब मामले की जांच की गई, तो सामने आया

कि आवेदनों को रोकने का कोई ठोस कारण नहीं था। बिना किसी पर्याप्त और युक्तियुक्त कारण के लोगों को जरूरी सेवाएं देने में देरी की गई, जो लोक सेवा गारंटी अधिनियम का सीधा उल्लंघन है। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि 10 हजार रुपए की जुर्माना राशि लोक सेवा गारंटी अधिनियम के नियमों के तहत ही जमा कराई जाए। इसके साथ ही, राशि जमा करने के बाद चालान की रसीद (प्रति) तीन दिवस के भीतर कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। इस कार्रवाई को अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की दिशा में एक सख्त कदम माना जा रहा है।

वर्दी में रील बनाने वाले 6 आरक्षकों को नोटिस रीवा पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में ले रहे हैं प्रशिक्षण



मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। पुलिस प्रशिक्षण शाला रीवा में प्रशिक्षणरत छह नव आरक्षकों द्वारा सोशल मीडिया पर वर्दी में रील बनाकर वायरल करने का मामला सामने आया है। रील में बोले गए संवादों को पुलिस विभाग की गरिमा के विपरीत मानते हुए अधिकारियों ने सभी नव आरक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सभी नव आरक्षक वर्तमान में रीवा में प्रशिक्षण ले रहे हैं 'मटियामेट ग्रुप' में पोस्ट की गई थी रील जानकारी के अनुसार 25 फरवरी 2026 को दोपहर 3:04 बजे सोशल मीडिया 'प्लेटफॉर्म' एक्स (ट्विटर) पर बने 'मटियामेट ग्रुप' में वर्दी पहने नव आरक्षकों

कृषि यंत्रिकरण को अपनाने से खेती की लागत घटी

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। जिले के सिरमौर विकासखण्ड के ग्राम गोदहा के प्रगतिशील किसान सुरेन्द्र कुमार वर्मा ने आधुनिक कृषि यांत्रिकीकरण को अपनाकर न केवल अपनी खेती की लागत घटाई, बल्कि फसल अवशेष प्रबंधन में भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। वर्मा ने सुपर सीडर कृषि यंत्र को अनुदान पर एक लाख 20 हजार रुपये प्राप्त किया। इस यंत्र की मदद से उन्होंने गेहूँ, सरसों, मूंग और धान जैसी फसलों की बुवाई के बाद खेत में बचे फसल अवशेषों (पाराली) का कुशल प्रबंधन किया। सुपर सीडर ने फसल अवशेष को मिट्टी में मिला दिया, जिससे भूमि की उर्वरता बढ़ी और पर्यावरण से भी बचाव हुआ। पिछले दो वर्षों में श्री वर्मा ने औसतन 300 एकड़ क्षेत्र में सुपर सीडर का उपयोग किया। उन्होंने न केवल अपने खेतों में बल्कि आसपास के किसानों को भी इस तकनीक का लाभ दिलाया, जिससे क्षेत्र में परगली जलाने की प्रवृत्ति में उल्लेखनीय कमी आई। फसल अवशेष मिट्टी में समाहित होने से उसमें जैविक पदार्थों की मात्रा बढ़ी साथ ही भूमि की जल धारण क्षमता में वृद्धि हुई। रासायनिक उर्वरकों की खपत कम हुई तथा फसल की उत्पादकता में 10-15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इन सभी सुधारों का सीधा प्रभाव उनकी आमदनी पर पड़ा। लागत घटने और उपज बढ़ने से श्री वर्मा की प्रति हेक्टेयर आय में 10-15 प्रतिशत तक वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त सुपर सीडर के माध्यम से अन्य किसानों के खेतों में कार्य करके उन्होंने अतिरिक्त आमदनी भी अर्जित की। किसान सुरेन्द्र कुमार वर्मा अपने क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

मरीज को छोड़ बहस करने वाला टेक्नीशियन बर्खास्त 108 एम्बुलेंस कर्मियों ने नहीं पहुंचाया अस्पताल

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। बजरंग नगर कॉलोनी के पास एक व्यक्ति पैदल जा रहा था। इसी दौरान वह अचानक अचेत होकर सड़क पर गिर पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक को मिर्गी का दौरा पड़ा और वह जमीन पर तड़पने लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने स्थिति को गंभीरता को देखते हुए तुरंत 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। आरोप है कि एम्बुलेंस में तैनात मेडिकल टेक्नीशियन सुधीर कुमार शुक्ला ने मरीज को तुरंत अस्पताल ले जाने के बजाय स्थानीय लोगों से बहस करना शुरू कर दिया। लोगों का कहना है कि युवक की हालत खराब थी, लेकिन टेक्नीशियन ने उसे स्टूचेर पर लिटाकर ले जाने की बजाय विवाद किया। मरीज को छोड़कर लौट गई एम्बुलेंस



आरोप है कि बहस के बाद मेडिकल टेक्नीशियन युवक को वहीं छोड़कर एम्बुलेंस लेकर रवाना हो गया। यह देख मौके पर मौजूद लोग आक्रोशित हो गए। लोगों का कहना है कि अगर समय पर इलाज नहीं मिलता तो बड़ा हादसा हो सकता था। डायल 112 पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल एम्बुलेंस के लौट जाने के बाद लोगों ने डायल 112 पर फोन किया। सूचना मिलते ही पुलिस वाहन मौके पर पहुंचा। पुलिसकर्मियों

दूसरे दिन में हाथियों की दस्तक सगरा खुर्द तक पहुंचा दल, वन विभाग हाई अलर्ट पर

मीडिया ऑडिटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज के हनुमना नगर में जंगली हाथियों का दल पहुंच गया है। सीधी से विचरण करते हुए हाथियों का यह समूह अब सगरा खुर्द (वार्ड क्रमांक 8) तक आ गया है। वन विभाग ने क्षेत्र में अलर्ट जारी कर गश्त बढ़ा दी है। पिछले लगभग 15 दिनों से सीधी जिले में घूम रहा हाथियों का यह समूह अब मऊगंज जिले की सीमा में प्रवेश कर चुका है। गुरुवार को यह दल बहेरा डाबर, बलभद्रगढ़ और उकसा गांव से गुजरा था। शुक्रवार को एक नर और एक मादा हाथी हनुमना नगर के सगरा खुर्द पहुंचे। क्षेत्र में पहली बार हाथियों की मौजूदगी दर्ज की गई है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में उत्तुकता के साथ

सतर्कता का माहौल है। हनुमना वन परिक्षेत्र के रेंजर नयन तिवारी ने बताया कि वन विभाग की टीमों हाथियों की लोकेशन पर लगातार नजर रख रही हैं। ड्रोन, पेट्रोलिंग और मैदानी अमले को मदद से उनके

परिक्षेत्र अधिकारी मऊगंज वर्षा सिंह ने लोगों से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति हाथियों के पास न जाए। सेल्फी लेने या उन्हें उकसाने की कोशिश न करें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि हाथी आबादी के करीब दिखें तो तुरंत बीट गाई या वन विभाग को सूचना दें। विभाग हाथियों को सुरक्षित तरीके से रिहायशी क्षेत्र से दूर ले जाने का प्रयास कर रहा है। हाथियों की आवाजाही से गांवों में सतर्कता का माहौल है। क्षेत्रवासी अपनी जान-माल की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, वहीं खेतों में खड़ी फसलों पर भी खतरा बना हुआ है। हालात को गंभीरता को देखते हुए वन विभाग हाई अलर्ट पर है और स्थिति पर पल-पल नजर रखी जा रही है।

टी.आर.एस. कॉलेज, रीवा में विश्व एनजीओ दिवस पर विशेष व्याख्यान

भारतीय ज्ञान परंपरा के आलोक में 'सामाजिक परिवर्तन में गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका' विषय पर संवाद कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। (शुक्रवार) विश्व एनजीओ दिवस के अवसर पर शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा के समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'सामाजिक परिवर्तन में गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका' विषय पर एक भव्य विशेष व्याख्यान एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आदर्शपूर्ण प्राचार्या डॉ. अर्पिता अवस्थी के मार्गदर्शन में तथा विभागाध्यक्ष डॉ. अखिलेश शुक्ल के संयोजन एवं डॉ. महानंद द्विवेदी के सहसंयोजन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मौ. सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण के साथ हुआ। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना ने वातावरण को



आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की। दीप प्रज्वलन की परंपरा ने ज्ञान, चेतना और सकारात्मक परिवर्तन का संदेश दिया। संयोजक प्रोफेसर अखिलेश शुक्ल ने भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल मंत्र 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज-सेवा भारत की

स्थापना वर्ष 2010 में मानवतावादी चिंतक मार्लिस लिओस द्वारा की गई थी। 27 फरवरी 2014 को इसका प्रथम वैश्विक आयोजन फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी में सम्पन्न हुआ। यद्यपि यह दिवस आधुनिक काल में प्रारंभ हुआ, परंतु इसकी मूल भावना निःस्वार्थ सेवा और लोककल्याण भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से निहित रही है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना के समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद रस्तोगी ने अपने विस्तृत उद्घोषण में कहा कि गैर-सरकारी संगठन आधुनिक समाज में परिवर्तन के सशक्त साधन बन चुके हैं। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर वर्तमान तक स्वीच्छक संगठनों की भूमिका का ऐतिहासिक विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक परिवर्तन एक सतत प्रक्रिया है जो आर्थिक राजनीतिक सांस्कृतिक और तकनीकी कारकों से प्रभावित होती है। केवल सरकारी नीतियाँ पर्याप्त नहीं; नागरिक सहभागिता अनिवार्य है। शिक्षा,

स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, मानवाधिकार और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में एनजीओ की सक्रिय भूमिका समाज में जागरूकता और सशक्तिकरण का माध्यम बन रही है। डॉ. रस्तोगी ने पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और सामुदायिक सहभागिता को एनजीओ की सफलता का आधार बताया। उन्होंने गीता के 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि निःस्वार्थ कर्म ही सामाजिक परिवर्तन की धुरी है। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. शाहिदा सिद्दीकी ने किया। अंत में डॉ. मधुलिका वास्तव ने आभार प्रदर्शन करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में 'कर्तव्यबोध' और 'सेवा-भाव' का जागरण करते हैं।

कलेक्टर ने बोर्ड परीक्षाओं का लिया जायजा



मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश की कक्षा दसवीं और बारहवीं की वार्षिक परीक्षाएं जारी हैं। इस क्रम में कक्षा दसवीं के विज्ञान विषय के प्रश्नपत्र की परीक्षा ली गई। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने शासकीय मार्तण्ड उमावि उच्च शिक्षण केंद्र में परीक्षा केन्द्र का दौरा करके बोर्ड परीक्षाओं का जायजा लिया कलेक्टर ने केन्द्राध्यक्ष तथा सहायक केन्द्राध्यक्ष से परीक्षाओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने प्राचार्य को परीक्षा केन्द्र परिसर में नियमित साफ-सफाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शेष बचे प्रश्नपत्र बिना सीलबंद लिफाफे में पाए गए। कलेक्टर ने कहा कि प्रश्नपत्र